मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 7 अंक 333
शुक्रवार, 27 जून 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

भाषा सिर्फ संवाद का माध्यम नहीं, यह राष्ट्र की आत्मा हैः अमित शाह

नई दिल्ली, 26 जून। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह दिल्ली में राजभाषा विभाग के स्वर्ण जयंती समारोह में शामिल हुए। इस दौरान अमित शाह ने कहा कि किसी भाषा का विरोध नहीं है, किसी विदेशी भाषा का विरोध नहीं होना चाहिए, लेकिन आग्रह अपनी भाषा का महिमामंडन करने का होना चाहिए, आग्रह अपनी भाषा बोलने का होना चाहिए, आग्रह अपनी भाषा में सोचने का होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें गुलामी की मानसिकता से मुक्त होना चाहिए। और जब तक व्यक्ति अपनी भाषा पर गर्व नहीं करेगा, अपनी भाषा में अपनी बात नहीं कहेगा, तब तक हम गुलामी की मानसिकता से मुक्त नहीं हो सकते।

अमित शाह ने आगे कहा कि जहां तक देश का सवाल है, भाषा सिर्फ.संवाद का माध्यम नहीं है, यह राष्ट्र की आत्मा है। भाषाओं को जीवित रखना और उन्हें समृद्ध बनाना जरूरी है। आने वाले दिनों में हमें सभी भारतीय भाषाओं और खास तौर पर राजभाषा के लिए ये सारे प्रयास करने चाहिए। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि मैं पूरे दिल से मानता हूं कि हिंदी किसी भी भारतीय भाषा की दुश्मन नहीं हो सकती। हिंदी सभी भारतीय भाषाओं की मित्र है, और हिंदी और भारतीय

भाषाएं मिलकर ही हमारे स्वाभिमान कार्यक्रम को उसके अंतिम लक्ष्य तक पहुंचा सकती हैं।

इससे पहले अमित शाह ने कहा कि नशा युवाओं के लिए सबसे बड़ी समस्या है और मोदी सरकार नार्को-कार्टेल पर बेरहमी से प्रहार कर रही है तथा नशे की लत में फंसे युवाओं को सहानुभूति के साथ सामान्य जीवन में वापस ला रही है। शाह ने यह बात 'अंतरराष्ट्रीय नशा निषेध दिवस' के अवसर पर 'नशा मुक्त भारत' की लड़ाई में योद्धाओं और सहयोगियों को शुभकामनाएं देते हुए कही। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, स्नशीली दवाएं हमारे युवाओं के लिए सबसे बड़ी समस्या हैं। मोदी सरकार इस खतरे से निपटने के लिए समग्र दृष्टिकोण अपना रही है, नार्को-कार्टेल पर निर्ममता से प्रहार कर रही है और नशे की लत में फंसे युवाओं को सहानुभूति के साथ सामान्य जीवन में वापस ला रही है।

पश्चिम बंगाल चुनाव में भाजपा को मिलेंगी 50 से भी कम सीटें : अभिषेक बनर्जी

कोलकता, 26 जून। तृणमूल के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी ने बुधवार को कहा कि 2026 में होने वाले बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा को 50 से कम सीटें मिलेंगी। बनर्जी ने आज सतगाछी में बोलते हुए कहा कि मैं वादा करता हूं कि 2026 में भाजपा द्वारा जीती गई सीटों की कुल संख्या 50 से कम होगी। 2021 में, भाजपा की गिनती 77 पर रुक गई। मैंने कहा था कि 2024 में तृणमूल की सीटें बढ़ेंगी, और यह सच साबित हुआ। अभिषेक बनर्जी ने कहा कि भाजपा के बातूनी अध्यक्ष सुकांत मजूमदार 9000 वोटों से जीते। उन्होंने मेरे खिलाफ लोगों को संगठित करने की भी हिम्मत की। अगर वह 50 साल तक राजनीति करते हैं और 10 चुनाव लड़ते हैं, तब भी उनका अंतर 7.1 लाख के करीब नहीं आएगा, जो मुझे डायमंड हार्बर में मिला था। बनर्जी ने भाजपा नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी पर हमला करते हुए कहा कि शुवेंदु अधिकारी ने दावा किया था कि अगर वह नहीं होते तो ममता बनर्जी दीदी से दादी बन जातीं। उन्होंने 2020 में पार्टी छोड़ दी। उसके बाद, ममता बनर्जी 2021, 2023 के पंचायत चुनावों में कैसे जीत गईं? उन्होंने कहा कि उनके भाजपा में शामिल होने के बाद पार्टी ने एक भी चुनाव नहीं जीता। बंगाल में हुए सभी 11 उपचुनावों में भाजपा हार गई। उन्होंने यहां तक कहा कि वे यहां ऑपरेशन बंगाल चलाएंगे, जिसका मतलब है कि वे विधायकों को खरीद लेंगे। अभिषेक ने कहा, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी लोगों के आशीर्वाद से 34 साल पुरानी सीपीआई(एम) सरकार को सत्ता से बेदखल करने के बाद अपने बलबूते पर सीएम बनी हैं।

दो पहिया वाहनों पर नहीं लगेगा को कोई टोल : नितिन गडकरी

नई दिल्ली, 26 जून। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को उन मीडिया रिपोर्ट्स को खारिज कर दिया, जिनमें कहा गया था कि 15 जुलाई 2025 से दोपहिया वाहनों को टोल टैक्स देना होगा। मीडिया के दावों को खारिज करते हुए गडकरी ने कहा कि ऐसा कोई निर्णय प्रस्तावित नहीं है। उन्होंने बिना पुष्टि किए फर्जी खबरें प्रकाशित करने के लिए मीडिया घरानों की निंदा की। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कुछ मीडिया घराने दोपहिया वाहनों पर टोल टैक्स लगाने के बारे में भ्रामक खबरें फैला रहे हैं। ऐसा कोई निर्णय प्रस्तावित नहीं है। दोपहिया वाहनों के लिए टोल पर छूट पूरी तरह जारी रहेगी।

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने भी इन फर्जी मीडिया रिपोर्टों की तथ्य-जांच की।

एनएचएआई ने एक पोस्ट में कहा, फैक्टचेकः मीडिया के कुछ वर्गों ने रिपोर्ट की है कि भारत सरकार दोपहिया वाहनों पर उपयोगकर्ता शुल्क लगाने की योजना बना रही है। एनएचएआई स्पष्ट करना चाहता है कि ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। दोपहिया वाहनों के लिए टोल शुल्क लगाने की कोई योजना नहीं है। हाल ही में ऐसी खबरें सामने आई थीं कि 15 जुलाई से सभी दोपहिया वाहनों को राजमार्गों पर टोल टैक्स देना होगा। रिपोर्टों में आगे दावा किया गया है कि दोपहिया वाहनों को डिजिटल टोल संग्रह के तहत लाने के कदम के साथ सरकार यह सुनिश्चित करने की योजना बना रही है कि राजमार्गों के रखरखाव की लागत में हर कोई योगदान दे। वर्तमान में, टोल-टैक्स केवल चार पहिया वाहनों से ही वसूला जाता है। वर्तमान में, टोल-टैक्स केवल चार पहिया वाहनों से ही वसूला जाता है।

काशी को अतिक्रमण मुक्त के लिए बड़े बदलाव की तैयारी, सख्त कदमों की रूपरेखा तय

- पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने सीनियर रिपोर्टर सुरेश गांधी से विशेष बातचीत में साझा की आगामी रणनीति
- अतिक्रमण से जाम की गंभीर समस्या, दस मिनट का सफर बन रहा घंटों का इंतजार
- ऑटो, टेम्पो, टोटो और अव्यवस्थित पार्किंग प्रमुख कारण

सुरेश गांधी

वाराणसी। त्योहार हो या आम दिन, काशी की बदहाल यातायात व्यवस्था सुधरने का नाम नहीं ले रहा है। यह अलग बात है जबसे इस शहर की कमान पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल संभाले है, काशीवासियों को जाम के झाम से मुक्ति दिलाने के लिए लगातार प्रयासरत है। इसी कड़ी में गुरुवार को पुलिस आयुक्त जब खुद शहर की सड़कों का निरीक्षण करने पहुंचे तो फुटपाथ पर सजी दुकानें और बेतरतीब खड़े वाहनों को देखकर संबंधित विभाग के अधिकारियों पर बरस पड़े। इस दौरान उन्होंने चार पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया।

उनका कहना है कि यातायात व्यवस्था सुधारने और सड़क हादसों पर रोकथाम के लिए वह संकल्पित है। पुलिस आयुक्त के अनुसार, यह अभियान केवल औपचारिकता नहीं होगा। ट्रैफिक सिस्टम की विफलता के पीछे केवल अतिक्रमण ही नहीं, बल्कि ट्रैफिक पुलिस की

निष्क्रियता भी जिम्मेदार है। अब पुलिसकर्मियों की जवाबदेही तय कर ह्यवर्क रिपोर्ट कार्डह्व लागू किया जाएगा। सड़कों पर तैनात पुलिसकर्मियों की नियमित रिपोर्टिंग होगी और कार्य में लापरवाही पर तत्काल कार्रवाई होगी। पुलिस आयुक्त की रणनीति स्पष्ट है, अब वाराणसी की सड़कों पर अतिक्रमण और अव्यवस्था को कोई जगह नहीं मिलेगी। अगले कुछ हफ्तों में इस सख्ती का असर दिखने की पूरी उम्मीद है। जनता से सहयोग और पुलिस की जवाबदेही ही शहर को जाम से निजात दिला सकती है।

इस दौरान उन्होंने अधिकारियों से इस बारे में भी जानकारी ली कि कहां पर किस कारण यातायात बाधित हो रहा है। उन्होंने यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए हरसंभव उपाय योजना करने का आदेश भी दिया है। कहा, तय की गई व्यवस्था को अमल में लाने के लिए हरसंभव कोशिश किया जाएं।

जाम वाले चौराहों के आसपास रहने वालों को ट्रैफिक एडवाइजरी कमेटी में शामिल किया जाएगा। उनके फीडबैक से यातायात व्यवस्था सुधारी जाएगी। पुलिस के साथ पब्लिक का सहयोग जरूरी है। शहर में जाम के जो प्वाइंट हैं, उन्हें चिह्नित कर उनके हिसाब से स्थान विशेष के लिए कार्ययोजना बनाई जा रही है। हमारा प्रयास यही है कि जाम कम लगे। राहगीरों को ज्यादा परेशान न होना पड़ेगा।

जब सीपी खुद उतरे सड़क पर, अतिक्रमण कारियों में मचा हड़कंप, लापरवाह पुलिसकर्मी भी नपे

- सीपी मोहित अग्रवाल ने खुद संभाली कमान, मैदागिन से दशाश्वमेध घाट तक पैदल गश्त
- अतिक्रमण हटाने में लापरवाही पर 4 बीट पुलिसकर्मी निलंबित

वाराणसी। आगामी त्योहारों और यातायात व्यवस्था को दुरुस्त रखने के लिए शहर में अतिक्रमण के खिलाफ पुलिस अब आर-पार के मूड में है। गुरुवार को खुद पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल सड़क पर उतर आएं। उन्होंने मैदागिन, श्री काशी विश्वनाथ धाम और गोदौलिया से दशाश्वमेध घाट तक पैदल गश्त कर सड़कों और फुटपाथों पर अतिक्रमण हटवाने की मुहिम को खुद लीड किया। इस दौरान लापरवाही करने वाले चार बीट पुलिसकर्मियों को मौके पर ही निलंबित कर दिया गया।

पुलिस आयुक्त ने स्पष्ट कर दिया कि अब अतिक्रमण को किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अभी तक 200 से अधिक एफआईआर दर्ज की जा चुकी हैं। जिन व्यक्तियों या दुकानदारों पर दो या दो से अधिक बार एफआईआर दर्ज होगी, उनके खिलाफ गुंडा एक्ट और गैंगस्टर एक्ट के तहत कठोर कार्रवाई की जाएगी। इस पैदल गश्त में पुलिस उपायुक्त काशी गौरव वंशवाल, अपर पुलिस उपायुक्त सरवणन टी., संबंधित सहायक पुलिस आयुक्त और थाना प्रभारी भी मौजूद रहे।

अतिक्रमण पर नियंत्रण के लिए हर 100 मीटर पर एक आरक्षी और हर 500 मीटर पर एक उप निरीक्षक तैनात किए गए हैं। ये अपने-अपने क्षेत्र में पूरी तरह से उत्तरदायी होंगे। चौकी प्रभारी और थानाध्यक्ष भी अतिक्रमण रोकने के लिए सीधे जिम्मेदार बनाए गए हैं। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी गोपनीय रूप से क्षेत्र का निरीक्षण करेंगे। कहीं भी लापरवाही मिलने पर सख्त कार्रवाई होगी।

अरुणोदय सर्जिकल एण्ड ट्रामा सेन्टर

डा. अरूण आर. सिंह
कन्सल्टेन्ट लैप्रोस्कोपिक सर्जन
एस.एम.ओ.) एल.टी.एम.एम. जी. एच. (सायन हॉस्पिटल मुम्बई)
स.आर.) एम. जी.एम. मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल (नवी मुम्बई)
रजि.नं.-82945 (यू.पी.एम.सी.)

जनरल सर्जरी
स्त्री एवं प्रसूति रोग
आर्थोपेडिक (सर्जरी एवं परामर्श)
कीमोथिरैपी सुविधा उपलब्ध
न्यूरो सर्जरी (परामर्श एवं सर्जरी)
वेन्टिलेटर एवं डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध
प्रशिक्षित डाक्टर स्टाफ तथा सभी मानकों पर खरा उतरने वाला जनपद का एक मात्र हास्पिटल
दूरबीन विधि द्वारा सभी प्रकार की सर्जरी
जनरल मेडिसिन, मधुमेह रोग
गुर्या एवं मूत्र रोग (सर्जरी एवं परामर्श)
गैस्ट्रोइन्टरोलॉजी (इण्डोस्कोपी एवं कालोनोस्कोपी)
एक्सीडेण्टल एवं ट्रामा इमरजेन्सी सेवा 24 घण्टे उपलब्ध

डा0 पुनीत सिंह
M.S.M.C.H.
गुर्दा एवं मूत्र रोग विशेषज्ञ (यूरो सर्जन)

डा0 रवि प्रकाश सिंह
M.S. (Ortho)
हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ

डा0 प्रभात सिंह
M.D.(Medicine)
कंसल्टेंट फिजिशियन

डा0 सुमित कुमार सिंह
M.D.(Neuro Psychiatrist)
मानसिक रोग विशेषज्ञ

24/7 Emergency Services

बीमा कार्ड धारकों के लिए विशेष सुविधा उपलब्ध
आयुष्मान कार्ड द्वारा निःशुल्क इलाज की सुविधाएं
8090966086,8090015086
कलीचाबाद,जौनपुर

जिस गाजियाबाद के नाम पर कभी क्राइम फिल्में बनती थीं, वह अब सुव्यवस्था का मॉडल बनाः योगी आदित्यनाथ

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को ग्रेटर गाजियाबाद के लिए योजना का अनावरण किया। इस बात पर जोर देते हुए कि ग्रेटर गाजियाबाद जिले के विकास के लिए महत्वपूर्ण है, सीएम योगी ने कहा कि नगर निगम में लोनी, खोड़ा और मुरादनगर नगर पालिका परिषदें शामिल होंगी। लोनी गाजियाबाद के उत्तरी भाग में स्थित है, जबकि मुरादनगर उत्तर-पूर्व में है, और खोड़ा जिले के दक्षिणी भाग में है। योगी ने कहा कि गाजियाबाद आज नए गाजियाबाद के रूप में चमक रहा है। जहां कभी इसके नाम पर गैंगवार और क्राइम

फिल्में बनती थीं, वहीं अब यह स्वच्छता और सुव्यवस्थित शहर का मॉडल है। यह दुनिया के शीर्ष 50 स्वच्छ शहरों में शामिल हो सकता है। उन्होंने कहा कि कोई सोच भी नहीं सकता था कि यह 12 लेन वाले ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे से जुड़ जाएगा और यह देश का पहला शहर होगा जहां रैपिड रेल चलेगी।

कोर्ट ने बिक्रम मजीठिया को 7 दिन की रिमांड पर भेजा

पंजाब। शिरोमणि अकाली दल (एसएडी) के नेता और पंजाब के पूर्व मंत्री बिक्रम सिंह मजीठिया को मोहाली जिला अदालत ने सात दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। गुरुवार को उन्हें कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच विजिलेंस ब्यूरो ने अदालत में पेश किया। मजीठिया की गिरफ्तारी के बाद से ही अकाली दल के कार्यकर्ता विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं, इसलिए अदालत परिसर के आसपास भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। मजीठिया की 7 दिन की पुलिस हिरासत पर पंजाब आप अध्यक्ष अमन अरोड़ा ने कहा कि अदालत ने भी माना है कि आगे की जांच की जरूरत है।

आर के मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए सम्पर्क करेः 9199355950

बेटियों के लिये मोह बढ़ना संतुलित समाज का आधार

-ललित गर्ग

दुनियाभर में माता-पिता आमतौर पर अब तक बेटियों की तुलना में बेटों को ज्यादा पसंद करते आ रहे हैं, लेकिन प्राथमिकताओं को लेकर वैश्विक दृष्टिकोण में एक सूक्ष्म, महत्वपूर्ण और बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। इस बात के संकेत मिल रहे हैं कि अब लड़के की तुलना में लड़कियों को अधिक पसंद किया जाने लगा है। ऐसा इसलिए हो सकता है क्योंकि लड़कियों के प्रति पूर्वाग्रह कम है और संभवतः लड़कों के प्रति पूर्वाग्रह ज्यादा है। नए साक्ष्य एवं अध्ययन इस बदलाव का संकेत देते हैं, जो संभवतः बढ़ते एकल परिवार परम्परा, तथाकथित आधुनिक-सुविधावादी जीवनशैली एवं कैरियर से जुड़ी प्राथमिकताओं के चलते लड़कों से जुड़े एक सूक्ष्म भय, उपेक्षा एवं उदासीनता को उजागर करते हैं। द्य इकोनॉमिस्टद्द द्वारा ताजा प्रकाशित रिपोर्टों में, लिंग प्राथमिकताओं को लेकर वैश्विक दृष्टिकोण में कुछ ऐसे ही दिलचस्प रुझान सामने आए हैं, जिसमें लड़कों के प्रति सदियों पुराना झुकाव अब कम हो रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, दुनियाभर में माता-पिता अब लड़कों की तुलना में लड़कियों को भविष्य की सुरक्षा को लेकर अधिक पसंद कर रहे हैं। विकासशील देशों में, लड़कों के प्रति पूर्वाग्रह कम हो रहा है, जबकि अमीर देशों में लड़कियों को प्राथमिकता दी जा रही है। इसके अतिरिक्त, युवा पुरुषों और महिलाओं के बीच लैंगिक भूमिकाओं को लेकर विचारों में अंतर बढ़ता जा रहा है।

ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट 2025 में, भारत 148 देशों में 131वें स्थान पर है, जो पिछले वर्ष की तुलना में दो स्थान नीचे है, और इसका लैंगिक समानता स्कोर 64.1 प्रतिशत है। वर्तमान प्रगति की दर से, पूर्ण लैंगिक समानता प्राप्त करने में 134 वर्ष लगेंगे, जो दर्शाता है कि प्रगति की समग्र दर धीमी है। इन रिपोर्टों से पता चलता है कि दुनिया भर में लैंगिक समानता की दिशा में प्रगति हो रही है, लेकिन अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। भारत के लिये लैंगिक समानता की दिशा में दो पायदान की गिरावट का सबसे बड़ा कारण महिला समानता को लेकर चल रहे आन्दोलन है। भारत की बेटियां आज अंतरिक्ष से लेकर खेल के मैदान तक में बुलंदियां छू रही हैं। वे परिवार की जिम्मेदारियों को निभाने में उल्लेखनीय भूमिकाओं का निर्वाह कर रही है। सरकार द्वारा द्यबेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओद्द, द्यसुकन्या समृद्धि योजनाद्द जैसे सराहनीय पहल के जरिए बेटियों को आगे बढ़ने के अवसर मिल रहे हैं।

इक्कीसवीं सदी की चौखट पर खड़ी दुनिया में बड़े व्यापक बदलाव हो रहे हैं। इंसानी रिश्तों की अहमियत को लेकर भी नई सोच पनप रही है। अब अमेरिका, दक्षिण कोरिया, भारत और चीन में, लिंग अनुपात सामान्य या यहां तक कि बेटी की पसंद के संकेत दिखाने लगा है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि इस बदलाव की असल वजह क्या है? दरअसल, माता-पिता में यह धारणा बलवती होती जा रही है कि बेटियां उनकी ढलती उम्र में धीरे-धीरे अधिक विश्वसनीय देखभाल करने वाली साबित हो सकती हैं। उन्हें परिवार से गहरे तक जुड़े रहने की अधिक संभावना के रूप में देखा जाने लगा है। आज बेटियों को बेटों के मुकाबले बेहतर शैक्षणिक प्रदर्शनकर्ता, परिवार सार-संभालकर्ता, माता-पिता के प्रति जिम्मेदारी निर्वाहकर्ता के रूप में देखा जाने लगा है। तेजी से कामकाजी दुनिया का हिस्सा बनने के कारण वे आर्थिक रूप से स्वावलंबी होने से अनेक पारिवारिक जिम्मेदारियों के लिये अधिक संवेदनशील है। ऐसा माना जाने लगा है कि बेटियां बेटों के मुकाबले में ज्यादा संवेदनशील होती हैं और जीवन के अंतिम पड़ाव में मां-बाप को सुरक्षा कवच प्रदान कर सकती हैं। जिसके चलते लोग बेटों के मुकाबले बेटियों को अपनी प्राथमिकता बनाने को तरजीह देने लगे हैं। पश्चिमी देशों में गोद लेने और आईवीएफ के डेटा दिखाते हैं कि बेटियों को चुनने की दिशा में स्पष्ट झुकाव है। दरअसल, पश्चिमी देशों के एकल परिवारों में बेटे अपनी गृहस्थी बसाकर मां-बाप को उनके भाग्य पर छोड़ जाते हैं। भारत में भी यही स्थितियां देखने को मिल रही है। जबकि सदियों से भारत की समाज-व्यवस्था एवं परिवार-परम्परा पुत्र मोह की ग्रंथि से ग्रस्त रहा है। जिसके चलते शिशु लिंग अनुपात में असंतुलन बढ़ता गया है। देश में हुई 2016 की जनगणना में लड़कों की तुलना में लड़कियों की घटती संख्या के आंकडे. चौंकाते ही नहीं बल्कि दुखी भी करते हैं। जिस तरह से लड़के-लड़कियों का अनुपात असंतुलित हो रहा है, उससे ऐसी चिन्ता भी जतायी जाने लगी है कि यही स्थिति बनी रही तो लड़कियां कहां से लाएंगे? हालत यह है कि आंध्र प्रदेश में 2016 में प्रति एक हजार लड़कों के मुकाबले महज आठ सौ छह लड़कियों का जन्म दर्ज किया गया। हालांकि, अब आधिकारिक आंकड़े बता रहे हैं कि देश में शिशु लिंग अनुपात दर में सुधार हुआ है।

जन्म से पहले ही पता चल जाए कि लड़की यानी बालिका पैदा होगी तो माता-पिता उसकी जान लेने से भी नहीं कतराते। कन्या भ्रूण हत्या की बढ़ती घटनाएं इसी सोच का परिणाम बनी। पिछली सदी में समाज के एक बड़े वर्ग में यह एक विभीषिका ही थी कि परिवार की धुरी होते हुए भी नारी को वह स्थान प्राप्त नहीं था जिसकी वह अधिकारिणी थी। उसका मुख्य कारण था सदियों से चली आ रही कुरीतियाँ, अंधविश्वास व बालिका शिक्षा के प्रति संकीर्णता। कितनी विडम्बना है कि देश में हम द्यबेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओद्द का नारा बुलन्द करते हुए एक जोरदार मुहिम चला रहे हैं उस देश में लगातार बालिकाओं की संख्या घटने का दाग लगता रहा है। यह दाग द्यएक भारत, श्रेष्ठ भारतद्द के संकल्प पर भी लगा है और यह दाग हमारे द्वारा नारी को पूजने की परम्परा पर भी लगा है। लेकिन प्रश्न है कि हम कब बेदाग होंगे? लेकिन अब इस संकीर्ण सोच में बदलाव आना एक सुखद संकेत है। अच्छे भविष्य के लिए हम बेटियों की पढ़ाई से ही सबसे ज्यादा उम्मीदें बांधते हैं। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसे नारे हमारे संकल्प को बताते हैं, हमारी सदिच्छा को दिखाते हैं, भविष्य को लेकर हमारी सोच को जाहिर करते हैं, लेकिन वर्तमान की हकीकत इससे उलट है, इसे बदलने में अभी भी लम्बा सफर तय करना होगा। बालिकाएं पढ़ाई में अपने झंडे भले ही गाड़ दें, लेकिन उन्हें आगे बढ़ने से रोकने की क्रूरताएं कई तरह की हैं। शताब्दियों से हम साल में दो बार नवरात्र महोत्सव मनाते हुए कन्याओं को पूजते हैं। लेकिन विडम्बना देखिये कि सदियों की पूजा के बाद भी हमने कन्याओं को उनका उचित स्थान और सम्मान नहीं दे पाये हैं। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 (2019-21) का सर्वे चिंता बढ़ाने वाला है। सर्वे के अनुसार, लगभग 15 फीसदी भारतीय माता-पिता अभी भी बेटियों की तुलना में बेटों की आकांक्षा रखते हैं। यही वजह है कि हरियाणा, पंजाब और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में विषम शिशु लिंगानुपात चिंता का विषय बना हुआ है।

लड़कियों को भावनात्मक लगाव या घरेलू स्थिरता के लिये तो महत्व दिया जा सकता है, लेकिन जरूरी नहीं कि पोषण, शिक्षा या विरासत तक उन्हें समान पहुंच दी जाए। भारतीय समाज में दहेज जैसी सांस्कृतिक प्रथाएं आज भी बेटी के माता-पिता की बड़ी चिंता बनी रहती हैं। परंपरावादी समाज में यह धारणा बलवती रही है कि बेटियां दूसरे परिवार की हैं। यही वजह है कि ग्रामीण और शहरी गरीब समुदायों में लड़कियां हाशिये पर रख जाती हैं। लेकिन इसके बावजूद भारत को लिंग समानता के वैश्विक आंदोलन की किसी भी तरह अनदेखी नहीं करनी चाहिए। ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट 2025 वैश्विक लैंगिक अंतर का आकलन और तुलना करने के लिए, एक समझने योग्य ढांचा प्रदान करके और उन देशों को उजागर कर-के जो इन संसाधनों को महिलाओं और पुरुषों के बीच समान रूप से विभाजित करने में रोल मॉडल हैं, रिपोर्ट अधिक जागरूकता के साथ-साथ नीति निर्माताओं के बीच अधिक आदान-प्रदान के लिए उत्प्रेरक का काम करती है। भारत में समान संपत्ति अधिकार लागू करने, दहेज प्रथा की कुरीति को समाप्त करने की दिशा में सख्त कदम उठाने चाहिए। तभी भारतीय समाज में लिंगभेद की मानसिकता खत्म होगी और लैंगिक समानता की दिशा में मार्ग प्रशस्त होगा। साथ ही देश में तेजी से बढ़ती बुजुर्गों की आबादी के लिये बालिकाएं सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में आधार बन सकेंगी।

ईरान और इजरायल युद्ध में कौन जीता, कौन हारा, कौन जीतकर भी हार गया?

अशोक भाटिया

ईरान और इजरायल के आकाश में अब शांति के बादल मंडरा रहे हैं। मिसाइलों की बारिश और लड़ाकू विमानों की आवाजें अब नहीं आ रही हैं। लेकिन जमीन पर मलबा ही मलबा है। दोनों देशों को भारी नुकसान हुआ है। युद्ध में कौन जीता, कौन हारा, कौन जीतकर भी हार गया। ये सब बातें बहस की हैं, लेकिन आम नागरिकों को सिर्फ और सिर्फ नुकसान हुआ है। हजारों लोग बेघर हो चुके हैं, हजारों को अपने घर छोड़कर कहीं और भागना पड़ा है, सैकड़ों लोग मारे गये हैं, हजारों घायल हैं। ईरान खुद को विजेता बता रहा तो इजरायल ने अपने गले में जीत की माला पहन ली है। डोनाल्ड ट्रंप खुद को असली चौधरी बता रहे हैं, लेकिन आंकड़ों को देखने के बाद ही अंजाम पर पहुंचना चाहिए कि असल में कौन जीता है, कौन हारा है, किसे कितना नुकसान हुआ है और इस युद्ध का आगे जाकर क्या असर होने वाला है।

गौरतलब है कि इजराइल ने 13 जून की रात को ईरान पर एक आश्चर्यजनक हवाई हमला किया, जिससे मध्य पूर्व में एक नया युद्ध शुरू हो गया, जिसमें दोनों देशों ने एक-दूसरे पर घातक हमले किए, जिसमें कोई भी शुरूआती संघर्ष में पीछे हटने को तैयार नहीं था। युद्ध ने केवल रॉकेट दागे और मिसाइलों का विनाश ।नागरिक चीखें और सैन्य ठिकानों की राख बनी रही। ईरान ने तेल अवीव जैसे प्रमुख इजरायली शहरों को निशाना बनाया, जबकि इजरायल ने ईरानी कमांड और परमाणु संरचनाओं को नष्ट करने के लिए अपनी सारी ताकत का इस्तेमाल किया। तीन ईरानी परमाणु रिएक्टरों पर अमेरिकी हमले के बाद, ईरान ने कतर में एक अमेरिकी बेस को निशाना बनाया। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दोनों देशों के बीच संघर्ष विराम की घोषणा की। इसने मध्य पूर्व में राजनीति और सुरक्षा को हिला दिया। दोनों देशों के बीच संघर्ष कोई सामान्य संघर्ष नहीं था। इस युद्ध में दोनों देशों ने अपने पास मौजूद सबसे घातक हथियारों का इस्तेमाल किया था। इससे दोनों देशों में भारी तबाही हुई। युद्ध मिसाइलों और ड्रोन तक ही सीमित नहीं था, बल्कि साइबर हमले, परमाणु ठिकानों और सैन्य ठिकानों पर हमले भी थे और ईरान को इसका सबसे बड़ा नुकसान हुआ।

13 जून को, इजराइल ने ₹राइजिंग लायन₹ नामक एक गुप्त ऑपरेशन के हिस्से के रूप में ईरान के कई सबसे महत्वपूर्ण सैन्य और परमाणु ठिकानों को निशाना बनाया, जिसमें कम से कम 200 ईरानी सैनिक, तकनीशियन, वैज्ञानिक और वरिष्ठ रिवोल्यूशनरी गार्ड अधिकारी मारे गए, जिनमें कुछ वरिष्ठ वैज्ञानिक भी शामिल थे, और कई ठिकानों को नष्ट कर दिया। मृतकों में 380 नागरिक और 253 सुरक्षा बल के जवान थे। ईरान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि इजरायल के हमले में लगभग 400 ईरानी मारे गए और 3,056 घायल हुए। इजरायल के हमले में कई ईरानी सैन्य कमांडर, परमाणु वैज्ञानिक, नागरिक और क्क्क्ष प्रमुख मारे गए। तेहरान के उत्तर में 100,000 से अधिक लोग भाग गए। युद्ध से पहले, ईरान की अर्थव्यवस्था 3।5 प्रतिशत की दर से बढ़ रही थी। युद्ध के कारण विकास 0।3 प्रतिशत तक गिर गया, उन्होंने कहा कि ईरान की अर्थव्यवस्था का 60 प्रतिशत तेल और गैस निर्यात से आता है। 12 दिनों के हमले ने तीन प्रमुख तेल रिफाइनरियों और पाइपलाइनों को क्षतिग्रस्त कर दिया, उत्पादन में लगभग 35 प्रतिशत की कमी आई और लगभग 10 बिलियन डॉलर का निर्यात नुकसान हुआ।

ईरान ने इजरायल पर हजारों घातक हमले किए, उनमें से ज्यादातर इजरायल की मजबूत वायु रक्षा प्रणालियों आयरन डोम, डेविड स्लिंग और एरो सिस्टम द्वारा हवा में नष्ट कर दिए गए। हालांकि, कुछ मिसाइलें और ड्रोन आवासीय क्षेत्रों में गिर गए, जिससे इजरायल को काफी नुकसान हुआ। अस्पताल, आवासीय भवन, रक्षा मंत्रालय, बुनियादी ढांचे को बड़ा नुकसान हुआ था। हजारों लोग अस्थायी रूप से बेघर हो गए थे। वहीं, ईरान के मिसाइल हमलों के कारण इजरायल के वीजमैन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। इसे इस्त्रायल के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है क्योंकि इजरायल में यहां कई बड़ी प्रयोगशालाएं थीं। वहां महत्वपूर्ण शोधकर्ता काम कर रहे थे। ईरान के मिसाइल हमले में इजरायल में करीब 25 से 30 लोग मारे गए थे। तेल अवीव और हाइफा में कुल 24 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। ईरान के हमले में इस्त्रायल में २०० से अधिक लोग घायल होने की बात कही जा रही है विशेषज्ञों का अनुमान है कि युद्ध के दौरान इजरायल ने एक दिन में $ 725 मिलियन खर्च किए। यह एक बहुत महंगा युद्ध निकला। अगर संघर्ष कुछ और दिनों तक जारी रहता, तो कुल लागत प्रति माह $ 12 बिलियन तक पहुंच जाती। इसके अलावा, इजराइल को आवासीय भवनों, रक्षा मंत्रालय, बुनियादी ढांचे को व्यापक नुकसान पहुंचा, हजारों बेघर हो गए, प्रभावित तेल रिफाइनरियों, बंदरगाहों, हवाई अड्डों और गैस क्षेत्रों को प्रभावित किया, उत्पादन, यात्रा और व्यापार रोक दिया।

युद्ध के अंत में, ईरान ने कतर में अमेरिकी सैन्य अड्डे अल-उदेद पर मिसाइल हमले के साथ दुनिया को आश्चर्यचकित कर दिया, जिसे ईरान ने फोर्डो, नतांज और इस्फहान में ईरान के परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी हमले के जवाब में अंजाम दिया ।हालांकि, बाद में यह कहा गया कि ईरान ने कतर और संयुक्त राज्य अमेरिका को हमले के बारे में पहले ही सूचित कर दिया था, जिससे यह सवाल उठ गया कि यह किस तरह का हमला था। कतर में अमेरिकी हवाई अड्डे पर ईरान का हमला केवल प्रतीकात्मक था। जान-माल के नुकसान को कम करने के लिए यह जानकारी पहले ही दे दी गई थी। ईरान की अधिकांश मिसाइलें नष्ट हो गईं और कोई हताहत नहीं हुआ। अमेरिकी हमले के बाद जवाबी कार्रवाई में ईरान ने यह हमला किया था। इसकी पुष्टि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने की है। ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में, उन्होंने कहा कि ईरान की प्रतिक्रिया ₹कमजोर और अपेक्षित₹ थी और उम्मीद है कि कोई और नफरत नहीं होगी, यह कहते हुए कि ट्रम्प ने ईरान को हमले की अग्रिम सूचना देने के लिए धन्यवाद दिया, जिसमें कोई हताहत नहीं हुआ और कोई घायल नहीं हुआ। शायद अब ईरान इस क्षेत्र में शांति और सद्भाव की ओर बढ़ सकता है और इजरायल को शांति के मार्ग पर चलने के लिए कह सकता है। उसने कहा।

कुछ घंटों बाद, ट्रम्प ने एक दूसरे पोस्ट में घोषणा की कि ईरान और इजराइल एक पूर्ण और स्थायी संघर्ष विराम के लिए सहमत हुए थे, जो अगले छह घंटों में प्रभावी होगा, लेकिन ट्रम्प के दावे को भी अब तक खारिज कर दिया गया है। ईरान और इजराइल एक भयंकर युद्ध में लगे हुए हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका ने 22 जून को ईरानी परमाणु ठिकानों पर हमला किया और कहा कि यह ₹एक बार का हमला₹ था। ईरान पर जवाबी कार्रवाई करने का दबाव था। बेस पर हमला करते समय भी, ईरान एक बड़ा युद्ध नहीं चाहता था क्योंकि इसकी अर्थव्यवस्था पहले ही कमजोर हो चुकी है। यही कारण है कि ईरान ने कतर में अल-उदीद बेस को निशाना बनाया, जहां अमेरिकी सेना के मध्य कमान का मुख्यालय स्थित है। कतर में हमले का एक और कारण यह है कि ईरान और कतर के बीच अच्छे संबंध हैं। कतर ने इस क्षेत्र में तटस्थ मध्यस्थ की भूमिका निभाई है। इजरायल और हमास के बीच वार्ता में कतर की मध्यस्थता सफल रही। हवाई क्षेत्र को बंद कर दिया गया था। अमेरिका ने पिछले सप्ताह अल-उदीद से अपने अधिकांश विमानों को ग्राउंडेड कर दिया था। 19 जून तक, केवल पांच अमेरिकी विमान बचे थे। इससे यह स्पष्ट होता है कि हमले के पीछे ईरान का इरादा बहुत नुकसान पहुंचाने के बजाय अपनी ताकत दिखाना था, इसलिए युद्ध, जो कई बार गंभीर और कभी-कभी लूटपाट लग रहा था, नियंत्रण में लाया गया लगता है, लेकिन सवाल यह है कि क्या इसने वास्तव में कुछ हासिल किया है, खासकर जब से ईरान ने अमेरिकी हमले से पहले अपने समृद्ध यूरेनियम को स्थानांतरित करने की बात कही थी।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इराक-इजरायल युद्ध के अंतिम 12 दिनों पर संघर्ष विराम की घोषणा की। बेशक, दोनों देशों ने अभी भी एक-दूसरे पर हमला किया। इजरायल ने भी युद्धविराम के लिए सहमति व्यक्त की, यह मानते हुए कि ईरानी परमाणु बम के विनाश के कारण संघर्ष विराम में कोई समस्या नहीं थी।

यह बात किसी से नहीं छिपी कि इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ईरान पर हमला करना चाहते थे। अभी पूरे गाजा पर कब्जा और हमास के सफाए के साथ ईरान के खतरे को कम करना, मानों उनकी जिंदगी का यही एक सबसे बड़ा मकसद था। उन्हें डर इस बात का है कि ईरान परमाणु हथियार बना रहा है। लेकिन क्या उन्होंने ईरान पर हमले के पहले इराक युद्ध से कोई सबक नहीं लिया था।

आज से 23 साल पहले 2002 में संयुक्त राज्य कांग्रेस में गवाही देते हुए तत्कालीन पूर्व इजरायली प्रधान मंत्री के रूप में बेंजामिन नेतन्याहू ने अमेरिकी सांसदों से कहा था कि ₹आतंकवाद के खिलाफ युद्ध₹ जीतने, इराक और आतंकवादी समूहों को सामूहिक विनाश के हथियार हासिल करने से रोकने के लिए इराक पर आक्रमण आवश्यक था। उन्होंने यहां दावा किया कि युद्ध जल्द खत्म हो जाएगा और न केवल इराक में, बल्कि ईरान सहित पूरे क्षेत्र में लोकतंत्र के एक नए युग की शुरूआत होगी।

सामाजिक समरसता और जातीय टकराव के बीच बंटी राजनीति

-अजय कुमार

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल ही में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में गहरी चिंता व्यक्त की कि किस प्रकार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के हिन्दू समाज को एकजुट करने के प्रयासों के विपरीत, कुछ गैर-भाजपा राजनीतिक दल और उनके समर्थक तत्व योजनाबद्ध ढंग से हिन्दू समाज को जातियों के नाम पर बांटने का षड्यंत्र रच रहे हैं। उन्होंने इसे एक गैर-राजनैतिक साजिश की संज्ञा दी और कहा कि यह केवल सत्ता की राजनीति नहीं बल्कि सनातन संस्कृति, राष्ट्रीय एकता और सामाजिक समरसता पर सीधा हमला है। योगी का यह बयान उस समय आया जब कथावाचक मुकुट मणि यादव का विवाद सुर्खियां बटोर रहा था। दरअसल,मुकुटमणि यादव ने हाल ही में एक धार्मिक आयोजन के दौरान विवादित बयान दिया था जिसको लेकर हंगामा शुरू हो गया, जिसमें उन्होंने(मुकुटमणि यादव) कुछ ऐतिहासिक और धार्मिक संदर्भों पर टिप्पणी की थी। इस बयान को लेकर सोशल मीडिया पर बवाल मच गया और देखते ही देखते यह मामला राजनीतिक रंग लेने लगा। शुरूआत में तो यह एक धार्मिक और सामाजिक बहस का मुद्दा था, लेकिन जल्द ही विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने इसे अपने-अपने तरीके से भुनाना शुरू कर दिया।समाजवादी पार्टी के कुछ नेताओं ने मुकुट मणि यादव के समर्थन में बयान देते हुए इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का मुद्दा बताया। उनका कहना था कि यादव ने जो कहा, वह ऐतिहासिक तथ्यों पर आधारित है और इसमें कोई आपत्तिजनक बात नहीं थी। वहीं, अन्य पार्टियों के नेताओं ने इसे सीधे-सीधे समाज में जहर घोलने वाला बयान करार दिया। कुछ नेताओं ने मुकुट मणि यादव को सांप्रदायिक बताते हुए उन पर कानूनी कार्रवाई की मांग की।

इस विवाद ने न केवल धार्मिक भावनाओं को भड़काया, बल्कि राजनीतिक दलों के बीच की खाई को और गहरा कर दिया। कई जगहों पर यादव के समर्थन और विरोध में प्रदर्शन हुए। सोशल मीडिया पर ट्रेंड चलाए गए और बयानबाजी तेज हो गई। जिन बातों को समझदारी से सुलझाया जा सकता था, उन्हें नेताओं ने वोट बैंक की राजनीति में बदल दिया। नतीजतन, एक धार्मिक प्रवचन राजनीतिक लड़ाई का कारण बन गया, जिसमें सच्चाई और संवाद की जगह कटुता और आरोप-प्रत्यारोप ने ले ली। इस पूरे घटनाक्रम ने साफ कर दिया कि जब तक राजनीतिक स्वार्थ ऊपर रहेगा, तब तक कोई भी सामाजिक या धार्मिक मुद्दा विवाद से अछूता नहीं रह सकता।इस विवाद के बीच मुष्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक समारोह के दौरान कहा कि भाजपा ने हमेशा समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुँचने की कोशिश की है, चाहे वह किसी भी जाति या वर्ग का हो। उन्होंने जोर देकर कहा कि भाजपा का हिन्दुत्व जातिविहीन, समरसतामूलक और राष्ट्रवादी दृष्टिकोण पर आधारित है, जो एक भारत, श्रेष्ठ भारत की अवधारणा को साकार करता है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि विपक्षी दलों की राजनीति केवल विभाजन, तुष्टीकरण और जातिगत समीकरणों पर टिकी है, जिससे समाज में वैमनस्य बढ़ रहा है।

इस सन्दर्भ में, उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि किस प्रकार कुछ राजनीतिक संगठन चुनाव आते ही पिछड़ी, दलित या सवर्ण जातियों के नाम पर भावनात्मक भाषण देते हैं, रैलियों में जातिगत नारे लगवाते हैं, और जाति-विशेष के मसीहा बनने का प्रयास करते हैं। योगी ने सवाल उठाया कि जो लोग सालों से सत्ता में रहे, उन्होंने कभी गरीबों के घर बिजली, पानी, शिक्षा या स्वास्थ्य क्यों नहीं पहुँचाया? क्यों उन्होंने जातियों के नाम पर केवल वोट मांगे और सत्ता में आते ही अपनी व्यक्तिगत समृद्धि सुनिश्चित की? कई राजनीतिक विश्लेषकों और बुद्धिजीवियों ने भी इस विषय पर अपनी प्रतिक्रियाएं दीं। बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर डॉ. संजीव त्रिपाठी ने कहा, यह स्पष्ट है कि भाजपा की हिन्दुत्व की राजनीति अब केवल धार्मिक पहचान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सामाजिक समरसता की ओर बढ़ रही है। इससे विपक्षी दलों के पारंपरिक जातिगत समीकरण कमजोर हो रहे हैं, इसलिए वे बौखलाहट में पुनः जातिगत ध्रुवीकरण की ओर जा रहे हैं।

इसी प्रकार लखनऊ विश्वविद्यालय की समाजशास्त्र की प्रोफेसर डॉ. रूचि श्रीवास्तव का कहना है, भारतीय समाज ऐतिहासिक रूप से जातियों में विभाजित रहा है, लेकिन स्वतंत्रता के बाद से अब तक जाति को केवल वोटबैंक की तरह इस्तेमाल किया गया। यदि अब कोई नेता इसे समरसता में बदलने की बात करता है, तो उसका विरोध केवल इसलिए हो रहा है क्योंकि इससे कुछ लोगों की राजनीति संकट में पड़ सकती है।

एक प्रसिद्ध लेखक और सामाजिक चिन्तक डॉ. नरेश मालवीय ने टिप्पणी करते हुए कहा, वास्तव में यह एक बड़ा नैरेटिव युद्ध है। भाजपा हिन्दुओं को एक समरूप सांस्कृतिक पहचान के माध्यम से एक मंच पर लाना चाहती है, जबकि विपक्ष इसे सामाजिक विविधता के नाम पर तोड़ना चाहता है। लेकिन यह विविधता तब तक उपयोगी नहीं जब तक वह समाज को जोड़ती है, न कि बाँटती है।

गौरतलब हो हाल ही में कुछ विपक्षी नेताओं द्वारा पिछड़े और दलित समुदायों के नाम पर अलग-अलग सम्मेलन आयोजित किए गए, जिसमें देखा गया कि किस प्रकार जातिगत पहचान को फिर से मुखर किया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी ने इसे राजनैतिक मुनाफाखोरी का कुत्सित प्रयास बताया और कहा कि अब समय है कि जनता इस षड्यंत्र को पहचानें और समरस समाज के निर्माण में सहयोग दें।

इस पर राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि 2024 के आम चुनावों में भाजपा ने जिस प्रकार सबका साथ, सबका विकास के नारे को विस्तार देकर सबका प्रयास की ओर ले जाया गया, वह उनके समावेशी दृष्टिकोण को दशार्ता है। इसके मुकाबले, विपक्ष की रणनीति जातिगत गणनाओं और संख्यात्मक समीकरणों पर आधारित दिखती है, जो आज के समय में युवाओं और शहरी मध्यम वर्ग को बहुत आकर्षित नहीं कर पा रही। जहाँ एक ओर भाजपा अपने कार्यक्रमों में समाज के सभी वर्गों को शामिल करने का प्रयास कर रही है, वहीं विपक्ष के जाति आधारित सम्मेलन यह संदेश देते हैं कि वे अभी भी सामाजिक एकता की बजाय विखंडन की राजनीति पर भरोसा कर रहे हैं। यही कारण है कि योगी आदित्यनाथ की चिंता केवल राजनैतिक नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक धरातल पर भी विचारणीय है। ऐसे में यह साफ तौर पर कहा जा सकता है है कि आने वाले समय में भारतीय राजनीति केवल चुनावी आंकड़ों की नहीं, बल्कि विचारधारात्मक संघर्ष की होगी, जहाँ एक ओर सनातन समरसता की बात होगी और दूसरी ओर जातीय टकराव की राजनीति।

मोदी सरकार की तटस्थ रहने वाली विदेश नीति

-संजय सक्सेना

भाजपा के दिग्गज नेता नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद भारत की विदेश नीति में एक नया दृष्टिकोण देखने को मिल रहा है, जिसे कई विशेषज्ञ तटस्थता या रणनीतिक संतुलन की नीति के रूप में परिभाषित करते हैं। यह नीति खासतौर पर अमेरिका और रूस के बीच तनाव, चीन के उभार, और वैश्विक ध्रुवीयता के संदर्भ में भारत के रुख को दशार्ती है।ऐसा ही इजरायल और ईरान के बीच जंग के दौरान भी देखने को मिला। भारत किसी के पक्ष में खड़ा नहीं हुआ बल्कि दोनों देशों को शांति का पैगाम देता रहा। यही भारत की तटस्थ नीति है। तटस्थ रहने की नीति का मुख्य उद्देश्य यह है कि भारत अपनी संप्रभुता, रणनीतिक स्वायत्तता और राष्ट्रीय हितों को सर्वोपरि रखते हुए किसी एक वैश्विक शक्ति के साथ पूरी तरह से नहीं जुड़ता, बल्कि सभी के साथ संवाद और सहयोग बनाए रखता है। हालांकि इस नीति के अपने फायदे हैं, वहीं कुछ गंभीर नुकसान भी सामने आते हैं।

इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव और संघर्ष के दौरान भी मोदी सरकार ने अपनी तटस्थता वाली विदेश नीति को प्राथमिकता दी। वैश्विक राजनीति के इस संवेदनशील मोड़ पर जब कई देश खुले समर्थन या विरोध में उतर आए, भारत ने संयम और संतुलन का परिचय देते हुए किसी पक्ष का खुला समर्थन नहीं किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने मानवता, कूटनीति और क्षेत्रीय स्थिरता को आधार बनाते हुए एक ऐसा रुख अपनाया जिससे भारत की साख एक जिम्मेदार और परिपक्व लोकतंत्र के रूप में और मजबूत हुई। सरकार ने आधिकारिक बयानों में शांति, संवाद और संयम की अपील की, साथ ही युद्ध में शामिल दोनों देशों से बातचीत के रास्ते तलाशने को कहा। यह नीति न केवल भारत की ऊर्जा सुरक्षा, व्यापारिक हितों और पश्चिम एशिया में बसे लाखों भारतीयों की सुरक्षा को ध्यान में रखती है, बल्कि वैश्विक मंचों पर भारत की द्यवसुधैव कुटुम्बकमद्द की भावना को भी दशार्ती है। भारत का यह संतुलित दृष्टिकोण बताता है कि वह किसी एक खेमे में नहीं बल्कि वैश्विक स्थिरता और संतुलन में विश्वास करता है।

तटस्थता का सबसे बड़ा फायदा यह है कि भारत को स्वतंत्र निर्णय लेने की पूरी आजादी मिलती है। जब रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध छिड़ा, तब भारत ने किसी एक पक्ष के साथ खड़ा होने की बजाय शांति और बातचीत का पक्ष लिया। इससे भारत को दोनों देशों के साथ अपने संबंध बनाए रखने में मदद मिली। अमेरिका और यूरोप जैसे पश्चिमी देशों ने भले ही भारत की स्थिति पर सवाल उठाए हों, लेकिन उन्होंने भारत के साथ अपने रिश्तों को बिगाड़ने का जोखिम नहीं उठाया, क्योंकि भारत आज की तारीख में वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था का एक महत्त्वपूर्ण केंद्र बन चुका है। दूसरा फायदा यह है कि तटस्थ नीति के कारण भारत को वैश्विक मंचों पर अधिक सम्मान और ध्यान मिल रहा है। भारत ने जी-20 की अध्यक्षता के दौरान जिस प्रकार से विकसित और विकासशील देशों के बीच पुल का काम किया, वह इसी नीति का परिणाम है। भारत की स्थिति अब एक ऐसे देश की बन गई है जो वैश्विक शक्ति संतुलन को प्रभावित करने की क्षमता रखता है, न कि केवल किसी एक धड़े का समर्थक है। इससे भारत को वैश्विक कूटनीतिक दबाव से बचने में सहायता मिलती है और वह अपने दीर्घकालिक आर्थिक व सुरक्षा हितों पर फोकस कर पाता है।

इसके अतिरिक्त, तटस्थता की नीति भारत को बहुपक्षीय सहयोग की दिशा में भी मजबूत बनाती है। भारत ब्रिक्स, क्वाड, शंघाई सहयोग संगठन, और इंडो-पैसिफिक फ्रेमवर्क जैसे कई मंचों का हिस्सा है, जो अलग-अलग वैश्विक शक्तियों से जुड़े हैं। अगर भारत किसी एक पक्ष के साथ खुलकर जुड़ जाता, तो उसकी भागीदारी पर असर पड़ता। इस नीति ने भारत को ऊर्जा सुरक्षा, तकनीकी सहयोग, निवेश और रणनीतिक साझेदारी जैसे क्षेत्रों में व्यापक विकल्प दिए हैं।

हालांकि, तटस्थ नीति के कुछ नुकसान भी हैं, जिन्हें अनदेखा नहीं किया जा सकता। सबसे बड़ा नुकसान यह है कि वैश्विक संकट के समय भारत की भूमिका अस्पष्ट हो जाती है। जब यूक्रेन युद्ध हुआ या जब गाजा में संघर्ष भड़का, तब भारत की तटस्थता को कुछ विश्लेषकों ने नैतिक चुप्पी के रूप में देखा। इससे भारत की छवि एक नैतिक शक्ति या वैश्विक नेतृत्वकर्ता के रूप में कमजोर पड़ती है। आज की दुनिया केवल रणनीतिक फायदे नहीं देखती, बल्कि यह भी देखती है कि कौन-सा देश मानवाधिकार, लोकतंत्र और न्याय के पक्ष में बोलता है। भारत की चुप्पी कई बार इसे हित-चिंतक की बजाय हित-साधक बना देती है।

दूसरा नुकसान यह है कि तटस्थ रहते हुए भारत कभी-कभी अपने साझेदार देशों के साथ रिश्तों में वह गहराई नहीं बना पाता जो स्पष्ट समर्थन से बनती है। अमेरिका भारत को चीन के खिलाफ एक मजबूत रणनीतिक साझेदार मानता है, लेकिन भारत की रूस के साथ दोस्ती अमेरिका के लिए चिंता का विषय बनती है। इसी तरह, रूस को भारत की अमेरिका के साथ नजदीकी खटकती है। ऐसे में भारत को हमेशा संतुलन बनाए रखना पड़ता है, जो कि एक चुनौतीपूर्ण कार्य है और कभी-कभी विश्वसनीयता पर प्रश्नचिन्ह लगा सकता है।

एक और नुकसान यह है कि तटस्थता के कारण भारत को कुछ अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपेक्षित समर्थन नहीं मिल पाता। उदाहरण के लिए, जब भारत को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता की बात आती है, तो उसे किसी एक गुट का मजबूत समर्थन नहीं मिल पाता। सभी देश भारत को एक संभावित भागीदार तो मानते हैं, परंतु कोई उसे खुलकर समर्थन नहीं देता, क्योंकि भारत खुद किसी गुट का हिस्सा नहीं बनता।इसके अलावा, तटस्थ नीति के चलते भारत कभी-कभी उन अवसरों से चूक जाता है जो एक पक्ष का समर्थन करने पर मिल सकते थे। अमेरिका और यूरोप जैसे देश अपने रणनीतिक सहयोगियों को रक्षा तकनीक, निवेश और बाजार में प्राथमिकता देते हैं। भारत की स्थिति अक्सर दो नावों की सवारी जैसी हो जाती है, जिससे वह पूरी तरह से किसी एक दिशा में लाभ नहीं उठा पाता।

फिर भी यह कहना गलत नहीं होगा कि मोदी सरकार ने तटस्थता वाला रवैया सोच-समझकर तय किया होगा,जो उनकी अपनी रणनीति का हिस्सा होगी, जो उसके भौगोलिक, राजनीतिक और आर्थिक हितों के अनुसार उपयुक्त है। इस नीति का उद्देश्य किसी को नाराज किए बिना सभी से संबंध बनाए रखना है, जो कि एक उभरती हुई वैश्विक शक्ति के लिए जरूरी भी है। मगर इस नीति को लागू करते समय यह ध्यान रखना होगा कि रणनीतिक संतुलन के साथ नैतिक नेतृत्व और दीर्घकालिक दृष्टिकोण भी बना रहे, ताकि भारत केवल एक संतुलनकर्ता नहीं, बल्कि दिशा-निर्देशक शक्ति के रूप में भी उभरे।

महाराष्ट्र के शिक्षण संचालक डॉ महेश पालकर का सम्मान

पुणे (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र सरकार द्वारा डॉ महेश पालकर को माध्यमिक व उच्च माध्यमिक का शिक्षण संचालक नियुक्त किए जाने पर पुणे स्थित उनके कार्यालय में सम्मान किया गया। बीएमसी के पूर्व उप शिक्षणाधिकारी अशोक मिश्र तथा नेचुरा हिल्स आयुर्वेद के प्रबंध निर्देशक डॉ नागेश पांडे ने पुष्पगुच्छ तथा शॉल श्रीफल देकर उनका सम्मान किया। इस अवसर पर भवन निमार्ता अशोक पाठक, हिंदी भाषी विकास मंडल के अध्यक्ष एवं पूर्व नगरसेवक सुरेंद्रनाथ सिंह, तीर्थराज दुबे, रमेश मिश्रा उपस्थित रहे।

str8bat ने लॉन्च किया क्रिकेट का अब तक का सबसे स्मार्ट स्टिकर

मुंबई। भारत के अग्रणी स्पोर्ट्स टेक इनोवेटर str8bat ने आज लॉन्च किया अक-संचालित स्मार्ट स्टिकर। यह अपनी तरह का पहला स्मार्ट स्टिकर किसी भी क्रिकेट बैट को परफॉरमेंस एनालिटिक्स टूल में बदल देता है। अत्याधुनिक सेंसर तकनीक से लैस और एलीट-लेवल की सटीकता के लिए डिजाइन की गई, str8bat की elev8 तकनीक बैटिंग डेटा को कैप्चर करने, उसे समझाने और लागू करने के तरीके में एक बड़ी सफलता है। इसकी सबसे बड़ी खासियत है कि यह सब कुछ बल्ले के फील या फॉर्म को बदले बिना किया जाता है। यह सिर्फ एक स्टिकर नहीं, क्रिकेट का नया AI-संचालित एज है। इस स्मार्ट स्टिकर का लॉन्च सीसीआई मुंबई में आयोजित एक शानदार समारोह में किया गया। दिग्गज क्रिकेटर ग्रेग चैपल (ऑनलाइन) और किरण मोरे खास तौर पर उपस्थित थे। यह स्मार्ट स्टिकर आधुनिक क्रिकेटरों के लिए परफॉरमेंस तकनीक की नयी परिभाषा प्रस्तुत करता है। str8bat की पेटेंटेड कैमरा-लेस तकनीक ी'ि५८ से समर्थित अल्ट्रा-लाइटवेट स्टिकर, बल्ले की गति, स्विंग एंगल, इम्पैक्ट जोन और बहुत कुछ पर रियल-टाइम अकजानकारी प्रदान करता है - एक ऐसे रूप में जो अदृश्य, सहज और कस्टमाइजेबल है।

बड़ी बैटरी और दमदार परफॉर्मेंस के साथ 'पोको F7' लॉन्च

मुंबई। भारत का प्रमुख कंज्यूमर टेक ब्रांड पोको अपनी मशहूर F-सीरीज में नया स्मार्टफोन पोको F7 लेकर आया है। टेक प्रेमियों और हमेशा दौड़-भाग में लगे यूजर्स को ध्यान में रखकर तैयार किया गया यह फोन दमदार परफॉर्मेंस, आकर्षक डिजाइन और शक्तिशाली बैटरी को एक पतली, स्टाइलिश बॉडी में पेश करता है।

पोको F7 में 7550mAh की भारत की सबसे बड़ी बैटरी दी गई है, जिसमें सिलिकॉन कार्बन तकनीक का इस्तेमाल किया गया है, जो ऊर्जा की क्षमता और दीर्घकालिक परफॉर्मेंस को बेहतर बनाती है। यह बैटरी ९०W टर्बो चार्जिंग और 22.5W रिवर्स चार्जिंग को सपोर्ट करती है, जिससे यूजर्स पूरे दिन और उससे भी अधिक समय तक स्मार्टफोन का इस्तेमाल कर सकते हैं। यह सब महज 7.99mm पतली बॉडी में समाया है, जिससे यह भारत का सबसे पतला फोन बन गया है, जिसमें इतनी बड़ी बैटरी दी गई हो।

बजाज फिन्सर्व एएमसी ने लॉन्च किया स्मॉल कैप फंड: क्वालिटी, ग्रोथ और वैल्यू का 3-इन-1 फायदा

मुंबई/पटना। बजाज फिन्सर्व एएमसी ने गुणवत्ता, विकास और मूल्य की पेशकश करने वाले बजाज फिन्सर्व स्मॉल कैप फंड, एक ओपन एंडेड इक्विटी योजना जो मुख्य रूप से स्मॉल कैप स्टॉक में निवेश करता है, इसके शुरूआत की घोषणा की है। यह फंड सब्स्क्रिप्शन के लिए 27 जून 2025 से खुलकर 11 जुलाई 2025 को बंद होगा। स्मॉल कैप में हाल ही में हुआ सुधार दीर्घावधि निवेशकों के लिए एक आकर्षक प्रवेश अवसर उपलब्ध कराता है। हालाँकि 80% से अधिक स्मॉल-कैप कंपनियों ने 38% की मजबूत लाभ वृद्धि और ठोस प्रतिफल अनुपात दर्ज किया है, लेकिन उनमें से अधिकांश अभी भी अपने 52-सप्ताह के उच्चतम स्तर से 15-45% नीचे ट्रेड हो रहे हैं। इस हालिया बाजार सुधार ने इन कंपनियों के वास्तविक मूल्य और उनके मौजूदा बाजार मूल्यों के बीच एक स्पष्ट अंतर प्रस्तुत कर दिया है। 'मेक इन इंडिया' अभियान, बढ़ते औपचारिकीकरण और विभिन्न क्षेत्रों में डिजिटल परिवर्तन जैसी संरचनात्मक अनुकूल परिस्थितियों के साथ, स्मॉल कैप अगले विकास चक्र में असमान रूप से लाभान्वित होने की अच्छी स्थिति में हैं, जो इन्हें एक आकर्षक निवेश अवसर बनाते हैं। बजाज फिन्सर्व स्मॉल कैप फंड उन निवेशकों को ध्यान में रखकर बनाया गया है, जो मुख्य रूप से स्मॉल कैप कंपनियों के इक्विटी और इक्विटी संबंधित साधनों में निवेश के माध्यम से दीर्घावधि संपत्ति बनाना चाहते हैं।

रीढ़ की बीमारियों में राहत का नया उपाय: डिस्क रिप्लेसमेंट सर्जरी

मुंबई/पटना। डिस्क रिप्लेसमेंट सर्जरी रीढ़ की गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों के लिए एक प्रभावी समाधान बनकर उभरी है। इस प्रक्रिया में क्षतिग्रस्त या घिसी हुई स्पाइनल डिस्क को हटाकर उसकी जगह एक कृत्रिम डिस्क लगाई जाती है, जो आमतौर पर धातु या प्लास्टिक से बनी होती है। इसका उद्देश्य रीढ़ की गति को बेहतर बनाना और दर्द को कम करना होता है, जिससे मरीज झुकने, मुड़ने जैसे रोजमर्रा के काम आसानी से कर सकें। यह कृत्रिम डिस्क एक स्वस्थ प्राकृतिक डिस्क के कार्य को दोहराने का प्रयास करती है, जिससे न केवल लचीलापन बना रहता है, बल्कि भविष्य में डिस्क के और अधिक खराब होने की संभावना भी कम होती है। मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल साकेत में न्यूरोसर्जरी के प्रिंसिपल कंसल्टेंट डॉ. (प्रो.) विवेक यादव बताते हैं कि यह सर्जरी तब की जाती है जब दवाएं, फिजियोथेरेपी या इंजेक्शन जैसे पारंपरिक उपचार पर्याप्त राहत नहीं देते।

यह प्रक्रिया खासकर उन मरीजों के लिए उपयुक्त होती है जो डिजेनेरेटिव डिस्क डिजीज (रीढ़ की डिस्क का घिस जाना), हर्नियेटेड डिस्क (उभरी हुई डिस्क के कारण नसों पर दबाव), क्रॉनिक डिस्क-जनित पीठ दर्द, या सर्वाइकल रेडिकुलोपैथी/मायलोपैथी से जूझ रहे हों। यह सर्जरी उन मरीजों के लिए उपयुक्त मानी जाती है जो 18 से 60 वर्ष की आयु के हों, जिनकी हड्डियां मजबूत हों और रीढ़ की हड्डी में स्थिरता बनी हुई हो। साथ ही, मरीज को एक या दो डिस्क स्तर पर ही समस्या होनी चाहिए, न कि पूरे रीढ़ में।

जव्हार-मोखाडा की आंगनवाड़ी सेविकाएं बनीं प्रशिक्षक

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। पालघर जिले के आदिवासी बहुल जव्हार और मोखाडा तहसील की मॉडेल आंगनवाड़ी सेविकाएं अब प्रशिक्षक की भूमिका निभाने लगी हैं। क्वेस्ट संस्था द्वारा रोटरी क्लब के सहयोग व महिला व बाल विकास विभाग तथा जिला परिषद पालघर के संयुक्त तत्वावधान में शुरू की गई ह्यपालवीह्ल परियोजना के छठे चरण का प्रशिक्षण पूर्ण कर ये सेविकाएं अब अन्य आंगनवाड़ियों को भी प्रशिक्षित कर रही हैं।

25 व 26 जून 2025 को मोखाडा के हिल व्यू रिसॉर्ट में आयोजित इस आवासीय प्रशिक्षण सत्र में क्वेस्ट संस्था के कल्पेश पाटील व पालिका मोरे ने सेविकाओं को बालकेंद्रित गतिविधियों जैसे अक्षरज्ञान, लेखन-पठन, गणितीय अवधारणाएं, समूह खेल व अभिनय गीतों के माध्यम से प्रशिक्षित किया। प्रशिक्षण पूर्ण करने के उपरांत जव्हार और मोखाडा की सभी मॉडेल आंगनवाड़ी सेविकाएं व सुपरवाइजर अपने-अपने बीट क्षेत्र की अन्य सेविकाओं को भी यह प्रशिक्षण देना शुरू कर चुकी हैं। प्रशिक्षण समापन समारोह में सभी प्रतिभागी सेविकाओं व सुपरवाइजरों को प्रमाणपत्र वितरित किए गए। यह वितरण जिला कार्यक्रम अधिकारी (महिला व बाल विकास) व्यंकटराव हुंडेकर के हाथों संपन्न हुआ। इस अवसर पर गट विकास अधिकारी अक्षय पगार, परियोजना अधिकारी संदेश दुमाड, जागृती किरकिरे, कल्पना भोये, अमोल पाटील, जनसंपर्क अधिकारी श्रद्धा घरत व प्रकल्प व्यवस्थापक तुषार मराडे उपस्थित रहे।

'पालवी' परियोजना से मिली बालशिक्षण को नई दिशा

इस मौके पर वी.एम. हुंडेकर ने बोलते हुए कहा कि, ह्यपालवी परियोजना के चलते जव्हार की आंगनवाड़ियों की तस्वीर बदल रही है। यह प्रशिक्षण ग्रामीण बालशिक्षा को नई दिशा देगा।ह्ल गट विकास अधिकारी अक्षय पगार ने सेविकाओं को ह्यमाझी अंगणवाडीह्ल पुस्तिका को गहनों की तरह संजोने की सलाह देते हुए कहा, पालवी का यह कार्य महाराष्ट्र के बाहर भी पहचाना जाए, यही कामना है। प्रकल्प व्यवस्थापक तुषार मराडे ने सेविकाओं से कहा, आप पर अब यह जिम्मेदारी है कि आप इस गुणवत्तापूर्ण शिक्षण को तहसील भर में पहुंचाएं।ह्ल परियोजना अधिकारी जागृति किरकिरे व प्रभारी अधिकारी कल्पना भोये ने आंगनवाड़ीयों से भेंटकर समाधान व्यक्त किया। मुख्यसेविका सरला मेतकर ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि पालवी के कारण ह्यफीडबैक की पद्धति, समय प्रबंधन और आत्मविश्वास में सकारात्मक बदलावह्ल आया है। इस उपक्रम की वजह से अब ये सेविकाएं सिर्फ बच्चों की शिक्षक नहीं, बल्कि अन्य सेविकाओं की मार्गदर्शक भी बन चुकी हैं, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में बालशिक्षा अधिक सशक्त और प्रभावी बनती जा रही है।

घाटकोपर पुलिस थाने की ओर से नशा विरोधी रैली निकाली गई

मुंबई (उत्तरशक्ति)। आज विश्व नशा विरोधी दिवस के अवसर पर घाटकोपर पुलिस थाने की ओर से नशा विरोधी दिवस मनाया गया। इस दौरान नशा विरोधी दस्ते द्वारा संयुक्त रूप से एसएनडीटी कॉलेज के एनसीसी छात्रों ने घाटकोपर पुलिस स्टेशन की सीमा में नशा विरोधी रैली निकाली।

यह रैली कॉलेज से शुरू होकर कामा लेन, नौरोजी लेन, एलबीएस मार्ग, सेनेटोरियम लेन, घाटकोपर स्टेशन और बीट चौकी तक निकाली गई।

पुलिस उपायुक्त राकेश ओला घाटकोपर पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक बलवंत देशमुख के मार्गदर्शन में पुलिस निरीक्षक दीपाली कुलकर्णी, पुलिस उपनिरीक्षक नम्रता डोंगरे, निर्भया पथक और नशा विरोधी दस्ते ने छात्रों का मार्गदर्शन किया।

जीवनधारा संघ का ७ वां स्वामी विवेकानंद ग्लोबल अवार्ड हुआ संपन्न

मुंबई (उत्तरशक्ति)। हर साल की तरह इस साल भी अंधेरी प. के मेयर हाल में जीवनधारा संघ का ७ वां स्वामी विवेकानंद ग्लोबल अवार्ड शो हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। जिसमें पूरे देश भर के २६ विभूतियों को सम्मानित किया गया । इस अवसर पर समाज सेवा क्षेत्र में आबिदा सैय्यद व सुरेंद्र कुमार शर्मा, वहीं शिक्षा क्षेत्र में अस्मिता तिवारी एवं ममता सिंह,जबकि इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में सुजाता द्विवेदी ठ७ळ२,व शुभम पाण्डेय ळ२9- भारत वर्ष,चिकित्सा रत्न डॉ. विजय महाजन व डॉ सारिका जांभोरे, उसी कड़ी में प्रिंट मीडिया मुकेश पंचोली व सीमा गुप्ता जी, वहीं नारी शक्ति अवार्ड डॉ उज्वला काले नगराध्यक्ष पालघर व मनीषा जाधव नालसोपारा, खेल जगत में उद्योगपति अवार्ड लॉरेंस जताना व सतीश शाक्य,जबकि फिल्मी दुनिया से संध्या मिश्रा व जया पाण्डेय, पोलीस महकमें से चारू भारती व भाग्यश्री मगरे, और जबकि २०२५ का बेस्ट ऑफ जीवनधारा रत्न पुरस्कार से फरजाना शेख व संतोष विश्वकर्मा को नवाजा गया।

इस अवसर पर प्रमुख अतिथि के रूप में भोजपुरी की सुपरस्टार अभिनेत्री व बिजनेसवूमेन स्वीटी छाबरा सम्मानित अतिथि रिजवाना अभिनेत्री शिरीन फरीद, इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग की मुंबई अध्यक्षा व मुंबई उपाध्यक्ष रिजवाना खान, शिवसेना उद्धव गट के महाराष्ट्र संगठक अवधेश शुक्ला इसके अलावा सम्मानित अतिथि के तौर नितिन गुप्ता उपाध्यक्ष कामगार सेल बीजेपी, श्रमिक उत्कर्ष कामगार सभा के सचिव सुभाष रकटे व उपाध्यक्ष प्रभावकर जाधव और युवा समाजसेवक अहमद हक उपस्थित थे। स्वामी विवेकानंद ग्लोबल अवॉर्ड २०२५ को सफल बनाने में जीवनधारा के संस्थापक /राष्ट्रीय अध्यक्ष गोविंद (भाऊ) पाण्डेय, व सह संस्थापिका नीलम पाण्डेय,राष्ट्रीय महासचिव पूजा सिंह, राष्ट्रीय सलाहकार मनोज झा, महाराष्ट्र प्रदेश महिला प्रभारी सारिका नायडू, राष्ट्रीय युवती अध्यक्षा फराह शेख, महाराष्ट्र प्रदेश महिला सचिव सोनी कांगड़ा, मुंबई महिला अध्यक्षा धनलक्ष्मी पटेल, चांदीवली विधानसभा सचिव प्रदीप शर्मा व चांदीवली विधानसभा अफजल शेख और राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष पुष्पराज वेंलगनी ने काफी मेहनत की। इस दौरान बुक के सोवीनियर का भी विमोचन क्या गया । जीवनधारा संघ के स्वामी विवेकानंद ग्लोबल अवॉर्ड शो 2025 में आए सभी विभूतियां और सहयोगियों का जीवनधारा संघ संस्था के संस्थापक राष्ट्रीय अध्यक्ष गोविंद (भाऊ) पाण्डेय ने आभार व्यक्त किया ।

कोलगेट का ओरल हेल्थ मूवमेंट – 4 .5 मिलियन लोगों की जांच की गई

मुंबई (उत्तरशक्ति)। कोलगेट-पामोलिव (इंडिया) लिमिटेड आठ दशक से अधिक समय से भारत में ओरल केयर क्रांति ला रहा है। कंपनी देश में ओरल हेल्थ में सुधार लाने के लिए प्रतिबद्ध है। भारत में लगभग 100% परिवारों में टूथपेस्ट का उपयोग होता है, लेकिन ओरल केयर के क्षेत्र में अभी भी बहुत संभावनाएं हैं। ओरल केयर में वो आसान दैनिक आदतें शामिल हैं, जो बिना खर्च लंबे समय तक ओरल हेल्थ बनाकर रखती हैं। भारत में 90% लोगों को दांतों की समस्या है, लेकिन डेंटिस्ट से नियमित जांच केवल 9% लोग ही कराते हैं। इसलिए इस महत्वपूर्ण विषय पर बातचीत शुरू करना और इस बारे में कार्रवाई करना आवश्यक था। मौजूदा और आदर्श व्यवहार के बीच के अंतर को दूर करने के लिए कोलगेट ने नवंबर 2024 में ओरल हेल्थ मूवमेंट शुरू किया। इस पहल में अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी की मदद से लाखों भारतीयों को सशक्त बनाया गया। उन्हें अपने मोबाइल फोन से ओरल हेल्थ की जांच करने में समर्थ बनाया गया, तथा इंडियन डेंटल एसोसिएशन (आईडीए) के साथ साझेदारी में 50,000 डेंटिस्ट्स का नेटवर्क विकसित किया गया, ताकि उनका फ्री डेंटल चेक-अप किया जा सके। कोलगेट ओरल हेल्थ मूवमेंट में, पूरे देश में 4.5 मिलियन से अधिक भारतीयों की ओरल हेल्थ की जांच की गई। यह जांच 700 से अधिक जिलों के 18,000 से अधिक पिन कोड में हुई। जिन लोगों की जांच की गई, उनमें से 1/6 लोग स्क्रीनिंग के बाद डेंटिस्ट के पास गए (आईडीए डेटा)। इससे प्रदर्शित होता है कि इस मूवमेंट ने भारतीयों को कार्रवाई के लिए प्रेरित किया।

ग्रामीण स्वच्छता सर्वेक्षण 2025 के लिए ग्राम पंचायतें रहें तैयारः मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे

पालघर(उत्तरशक्ति)। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज-2 के अंतर्गत स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण 2025 में पालघर जिले के 899 गांवों की तैयारियां जोरों पर हैं। इस राष्ट्रीय अभियान के तहत गांवों में ठोस और तरल कचरा प्रबंधन हेतु स्थापित की गई सार्वजनिक सुविधाओं का प्रत्यक्ष उपयोग, गांव की दृश्य स्वच्छता, और ग्रामवासियों की बदली हुई मानसिकता का मूल्यांकन केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त थर्ड पार्टी एजेंसी के माध्यम से किया जाएगा। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने सभी ग्राम पंचायतों से अपील की है कि वे लोकसहभाग, श्रमदान और दीर्घकालिक व्यवस्था के माध्यम से गांव की स्वच्छता का स्तर ऊंचा उठाएं।

यह सर्वेक्षण पूरे देश के 761 जिलों में एक साथ होगा और प्रत्येक गांव का मूल्यांकन 1000 अंकों के आधार पर किया जायेगा, जिससे जिले और राज्य का अंतिम स्कोर तय होगा। इसलिए सभी गांवों को यह सुनिश्चित करना होगा कि– सभी सार्वजनिक सुविधाएं क्रियाशील हों, सड़कों पर गंदा पानी न बहता हो, कहीं भी कचरे के ढेर न हों, प्लास्टिक कचरा वर्गीकृत होकर केंद्र तक पहुंचे, सार्वजनिक स्थानों की स्वच्छता दृश्य रूप से स्पष्ट हो।इसके अलावा धार्मिक स्थलों, स्कूलों, आंगनवाड़ियों, बाजारों और सार्वजनिक शौचालयों की सफाई और उपयोग की स्थिति, कचरा वर्गीकरण केंद्र और फीकल स्लज मैनेजमेंट (मैला गाल) की व्यवस्था तहसील स्तरीय प्लास्टिक संकलन केंद्र और जिला स्तरीय गोबरधन परियोजना की कार्यप्रणाली, ग्राम पंचायतों द्वारा भविष्य के लिए बनाए गए सतत प्रबंधन उपाय, जैसे कि महिला बचत समूहों या स्थानीय संस्थाओं को जिम्मेदारी सौंपना आदि का सर्वेक्षण किया जायेगा।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी रानडे ने स्पष्ट किया कि इस सर्वेक्षण के परिणाम गांव, जिला और राज्य के प्रदर्शन पर सीधा प्रभाव डालेंगे। इसलिए ग्राम पंचायतों को गंभीरता और निरंतरता के साथ कार्य करना होगा। इस पूरी प्रक्रिया का योजना और समन्वयन जिला जल व स्वच्छता विभाग के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी अतुल पारसकर कर रहे हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि पालघर जिला इस बार स्वच्छ सर्वेक्षण 2025 में उल्लेखनीय प्रदर्शन करेगा।

जिला परिषद पालघर में मनाई गई राजर्षि शाहू महाराज की जयंती

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर जिला परिषद कार्यालय में गुरुवार 26 जून 2025 को सामाजिक न्याय, समता और शिक्षण के महान पुरोधा छत्रपती राजर्षि शाहू महाराज की जयंती गरिमा और उत्साह के साथ मनाई गई।

कार्यक्रम के आरंभ में राजर्षि शाहू महाराज की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रविंद्र शिंदे, जिला पशुसंवर्धन अधिकारी डॉ. प्रकाश हसनालकर, तथा उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी (सा) इजाज अहमद शरीक मसलत प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। सभी अधिकारियों ने महाराज के सामाजिक योगदान को याद करते हुए उन्हें कृतज्ञता पूर्वक नमन किया।

रविंद्र शिंदे ने अपने संबोधन में कहा कि शाहू महाराज की दूरदृष्टि, सर्वसमावेशक नीतियाँ और शिक्षा के क्षेत्र में किए गए क्रांतिकारी कार्य आज भी प्रेरणा का स्रोत हैं। प्रशासन को उनके आदर्शों को अपनाकर समाज के वंचित वर्गों के उत्थान के लिए काम करना चाहिए। इस अवसर पर जिला आरोग्य अधिकारी डॉ. संतोष चौधरी सहित जिला परिषद के विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी भी उपस्थित थे।

नैसकॉम फाउंडेशन ने एमएसएसआईडीसी के साथ महत्वपूर्ण एमओयू पर हस्ताक्षर किए

मुंबई। नैसकॉम फाउंडेशन ने एमएसएमई दिवस के उपलक्ष्य में, महाराष्ट्र सरकार के महाराष्ट्र लघु उद्योग विकास निगम लिमिटेड (एमएसएसआईडीसी) के साथ एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। सहयोग का उद्देश्य एक बहुत बड़ा क्षमता निर्माण कार्यक्रम चलाना है, जो राज्य भर में 15,000 'उद्यम'-पंजीकृत सूक्ष्म और लघु उद्यमियों की प्रतिस्पर्धात्मकता और स्थिरता को मजबूत करने पर केंद्रित होगा, और महिला उद्यमियों को सशक्त बनाने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। नैसकॉम फाउंडेशन इन सूक्ष्म उद्यमियों की क्षमताओं को मजबूत करने के लिए एमएसएसआईडीसी अधिकारियों और केपीएमजी के नेतृत्व वाली राज्य कार्यक्रम कार्यान्वयन इकाई के साथ मिलकर काम करेगा। इस पहल को राइजिंग एंड अक्सेलरेटिंग एमएसएमई परफॉरमेंस प्रोग्राम (आरएएमपी) के तहत लागू किया जाएगा। आरएएमपी को विश्व बैंक ने समर्थन दिया है। यह अलग-अलग प्रमुख क्षेत्रों की महिला उद्यमियों पर ध्यान केंद्रित करता है, जैसे कि ऊर्जा दक्षता, कपड़ा, कॉयर, हस्तशिल्प, नवीकरणीय ऊर्जा, विनिर्माण, अपशिष्ट प्रबंधन और ओडीओपी उद्योग आदि, उन्हें डिजिटल टूल, फाइनेंस और जानकारी तक पहुंच को बढ़ाने के लिए सक्षम बनाता है।

इस परियोजना के जरिए, नैसकॉम फाउंडेशन तीन महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर केंद्रित एक संरचित क्षमता-निर्माण कार्यक्रम प्रदान करेगा। एमएसएमई के लिए (बौद्धिक संपदा अधिकार) आईपीआर योजना पर जागरूकता और प्रशिक्षण, ऋण और डिजिटल ऋण आवेदन प्रक्रियाओं पर मार्गदर्शन, और वित्तीय ज्ञान और प्रबंधन।

यह पहल न केवल जानकारी देने के लिए बल्कि उद्यमियों को आवश्यक व्यावहारिक उपकरणों से लैस करने के लिए डिजाइन की गई है, जो उन्हें उनके व्यवसाय को औपचारिक बनाने, ऋण पाने और स्थायी रूप से विस्तार करने में मदद करेंगे। नैसकॉम फाउंडेशन की सीईओ ज्योति शर्मा ने आज के कारोबारी माहौल में इस पहल की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा, हमारे एमएसएमई के पास विचारों की कमी नहीं है, उनके पास अक्सर पहुंच की कमी होती है। महाराष्ट्र लघु उद्योग विकास निगम के साथ यह साझेदारी इस कमी को दूर करने के लिए की गयी है। लक्षित क्षमता निर्माण को प्रस्तुत करके, हम न केवल उद्यमियों, विशेष रूप से महिला उद्यमियों का समर्थन कर रहे हैं, नीतियों और प्रक्रियाओं को समझ रहे हैं, बल्कि उन्हें मजबूत, अधिक लचीले व्यवसाय बनाने के लिए उपकरण भी दे रहे हैं। यह भारत के एमएसएमई क्षेत्र को वास्तव में समावेशी, डिजिटल रूप से सुसज्जित और वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी बनाने की दिशा में एक कदम है। महाराष्ट्र लघु उद्योग विकास निगम लिमिटेड की जॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर, प्रशाली जाधव दिघावकर ने कहा, ह्यएमएसएमई को मजबूत करना महाराष्ट्र की आर्थिक वृद्धि को गति देने के लिए महत्वपूर्ण है।

उत्तरशक्ति

* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।

पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

मॉर्निंग रेड अभियान में काटे गए 39 कनेक्शन, 12.62 लाख की वसूली

कटियाधारियों में मचा हड़कम, बिजली चोरी व बकाया बिल पर कसा शिकंजा, स्मार्ट मीटर भी लगाए गए

जौनपुर। जनपद में बिजली चोरी व बकाया बिल की वसूली को लेकर बिजली विभाग ने 25 जून 2025 को बृहद मॉर्निंग रेड अभियान चलाया। यह अभियान आदमपुर, अकबर नियर रेलवे और जौनपुर जंक्शन क्षेत्र

में संचालित किया गया, जिसमें कुल 160 घरों/आवासों की चेकिंग की गई।इस दौरान 39 बकायेदारों के कनेक्शन विच्छेदित किए गए। जिससे लगभग 12 लाख 62 हजार रुपये की राजस्व वसूली हुई। अभियान के दौरान प्रबंध निदेशक, पूर्वांचल विद्युत निगम के निर्देश पर विशेष फोकस उन क्षेत्रों पर किया गया जहां बिजली चोरी की शिकायतें अधिक थीं।चेकिंग टीम में अधिशासी अभियंता ई. सचिन कुमार सिन्हा, एसडीओ प्रथम रोशन जमीर, जेई नीरज कुमार, हरिनंदन राय समेत अन्य विभागीय कर्मचारी शामिल रहे।बिजली विभाग की तीन टीमें पूरे शहर में तैनात की गईं, जिसमें अन्य परीक्षण खंड की टीमों का भी सहयोग रहा। कार्यवाही के दौरान 22 उपभोक्ताओं का कुल 49 किलोवाट भारवृद्धि की गई।13 उपभोक्ताओं के त्रुटिपूर्ण बिलों में संशोधन किया गया। 7 उपभोक्ताओं की विद्युत विधा में परिवर्तन किया गया। एक व्यक्ति पर बिजली चोरी का मुकदमा दर्ज कराया गया।

ई. सचिन कुमार सिन्हा ने जानकारी देते हुए कहा कि यह अभियान आगे भी प्रतिदिन चलेगा और मेगा ड्राइव के जरिए बिजली चोरी तथा 10 हजार रुपये से अधिक बकायेदारों पर विशेष कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि 36 उपभोक्ताओं के परिसर में नए स्मार्ट मीटर भी लगाए गए हैं ताकि उन्हें समय पर व सही बिल प्राप्त हो सके। उन्होंने उपभोक्ताओं से अपील की कि विच्छेदन तिथि से पहले अपना बकाया बिल जमा करें और बिजली चोरी जैसे गैरकानूनी कार्यों से बचें। बिजली विभाग की यह कार्रवाई शहरभर में चर्चा का विषय बनी रही और बिजली चोरों में हड़कंप मच गया है। विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि गलत बिलिंग करने वाले मीटर रीडरों पर कठोर कार्यवाही की जाएगी।

दहेज हत्या मामले में दो पुरुष व एक महिला आरोपी को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय थाना क्षेत्र के ग्राम मीरपुर थाना केराकत जनपद जौनपुर को वादी मुकदमा द्वारा बताया गया कि सरोज पुत्र वंश नरायन सरोज ग्राम राजापुर पोस्ट भोण्डा (अनेई) थाना सुरेरी जिला जौनपुर का निवासी हूँ मेरी बेटी नेहा सरोज का विवाह रिशु सरोज पुत्र दुर्गा सरोज ग्राम भडेहरी थाना केराकत जनपद जौनपुर के साथ हुआ था।दिनांक 20.06.2025 को मेरी बेटी से घर का खर्चा चलाने के लिए और दहेज की मांग करते हुए उसे ससुराल वालो ने गला दबाकर मार दिया है। घटना के सम्बन्ध में थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0-168/25 धारा 80/85 बीएनएस व 3/4 डीपी एक्ट थाना केराकत जनपद जौनपुर पर पंजीकृत किया गया ।गिरफ्तारी का विवरण-दिनांक 26.06.2025 को प्रभारी निरीक्षक केराकत मय हमराह पुलिस टीम केराकत द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 168/25 धारा 85/80 बीएनएस व श डी0पी0एक्ट से सम्बन्धित 03 वांछित आरोपीगण 1-रिशु सरोज (पति) पुत्र दुर्गा सरोज 2-दुर्गा सरोज (ससुर) पुत्र बादू 3-चन्द्रावती देवी (सास) पत्नी दुर्गा सरोज निवासीगण भडेहरी थाना केराकत जनपद जौनपुर को मुखबीर की सूचना के आधार पर छतरीपुर तिराहा पर आरा मशीन के पास गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही करते चालान न्यायालय किया जा रहा है।

जौनपुर में ठंडी नहीं पड़ रही जाति के नाम पर अपमान की आग

◆ राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के नाम सौंपा गया ज्ञापन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। इटावा की घटना अब सिर्फ एक गांव की घटना नहीं रही। यह उस भारत की तस्वीर बन गई है, जिसे हम संविधान से जोड़कर देखने की कोशिश करते हैं। जहां किताबों में बराबरी है, लेकिन जमीन पर नाक रगड़वाई जाती है। जहां व्यास गद्दी पर बैठने से पहले आपकी जाति पूछी जाती है, ज्ञान नहीं।इसी जातीय अपमान के विरोध में मंगलवार को अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा ने जौनपुर में जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में साफ शब्दों में कहा गया है कि संविधान से बड़ा कोई धर्म नहीं हो सकता। और अगर धर्म के नाम पर किसी की चोटी काटी जाती है। किसी से जबरन कसम खिलवाई जाती है तो यह सिर्फ अपराध नहीं, लोकतंत्र के खिलाफ बगावत है। ज्ञापन देने आए महासभा के कार्यकताओं ने कहा कि यह सिर्फ मुकुटमणि यादव का अपमान नहीं है, यह पूरे यादव और पिछड़े समाज की आत्मा पर हमला है। देश के संविधान में जो समानता लिखी है उसे कुछ लोग जमीन पर मिटा देना चाहते हैं। हम ऐसा नहीं होने देंगे। भीड़ अब शब्दों से बाहर निकल रही है। सोशल मीडिया पर वायरल हो चुके वीडियो, स्टेटमेंट, और अब यह ज्ञापन सब एक सुर में यही कह रहे हैं कि यह मामला सिर्फ इटावा का नहीं, पूरे देश का है। यह देखना अब जरूरी हो गया है कि सरकार की संवेदना किस तरफ है, अपमान सहने वालों के साथ या अपमान करने वालों के साथ इस मौके परयादव महासभा के प्रदेश महासचिव ने कहा कि देश संविधान से चलता है।देश का संविधान सभी नागरिकों को समान अवसर, विचार और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता देता है। आजाद भारत में ऐसी घृणापूर्ण एवं जातिय द्वेष से प्रेरित घटनाएं होना देश की एकता व अखंडता के साथ खिलवाड़ है। इस प्रकार के संविधान

विरोधी सोच रखने वाले लोगों के ऊपर कठोर से कठोर कार्रवाई कर- के पीड़ित को न्याय दिया जाना चाहिए। इस घटना से पूरे यादव समाज के साथ ही ओबीसी, एसटी, एससी के लोग अपने को बहुत ही अपमानित महसूस कर रहे है ।इस अवसर पर यादव महासभा के प्रदेश महासचिव कमलेश यादव, ज़िला महासचिव धर्मेन्द्र यादव, पूर्व कोषाध्यक्ष संजय यादव, शैलेश, गौतम, शिवशंकर आदि सैकड़ों की संख्या में लोग मौजूद रहे।

मंदिर में चढ़ाई गई बाल्टी को मंदिर पुजारिन के पड़ोसी उठा ले गए घर

घटना को संज्ञान में लेते हुए पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंच कर बाल्टी को बरामद कराया

बक्शा, जौनपुर(उत्तरशक्ति)।जिले के स्थानीय थाना क्षेत्र के शम्भूगंज उतरेजपुर में स्थित प्राचीन स्वयंभू सारनाथ महादेव मंदिर में बीते सोमवार को एक शिव भक्त के तरफ से नौ बाल्टी चढ़ाई गई थी। मंदिर पुजारिन माला शुक्ला के पड़ोसी द्वारा चढ़ाई गई बाल्टी में से चार बाल्टी अपने घर उठा ले गए। बाल्टी वापस लाने को लेकर झड़प हुई। मंदिर पुजारिन संरक्षिका माला शुक्ल ने बताया कि बीते सोमवार को मंदिर पर एक भक्त ने नौ बाल्टी चढ़ाई थीं। पड़ोस के रहने वाले भोलानाथ शुक्ला के लड़के देवेन्द्र शुक्ला उर्फ सोनू ने चार बाल्टी उठा ले गए। बाल्टी वापस मंदिर में लाने को कहा गया तो भोलानाथ शुक्ला संजय शुक्ला देवेन्द्र शुक्ला गाली गलौज देते हुए मारपीट पर आमदा हो गए।जिसकी सूचना 112 पर दिया गया। मौके पर पहुंची पुलिस को घटना की सारी बातें माला शुक्ला ने बताया। पुलिस के सामने उपरोक्त तीनों लोग छड़प करने लगे। पुलिस ने थाने पर जाने को कह कर चली गई। मंदिर पुजारिन माला शुक्ला ने थाने पहुंच कर घटना के बाबत एक लिखित तहरीर थानाध्यक्ष बक्शा को दिया। घटना को संज्ञान में लेते हुए हल्का दरोगा पुलिस सहित घटना स्थल पर कल बुधवार को पहुंच कर भोलानाथ शुक्ला के घर से चारो बाल्टी बरामद कराकर मंदिर में सुपुर्द कराया। मंदिर पुजारिन संरक्षिका माला शुक्ला ने बताया कि उपरोक्त तीनों लोग मंदिर के माहौल को बिगाड़ने में लगे हैं। बाल्टी उठा ले जाने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर थाना बक्शा पर दिया था। घटना को संज्ञान में लेते हुए पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंच कर बाल्टी को बरामद कराया है। पुलिस की कार्यशैली बहुत ही सराहनीय रहा।

मेडिकल कालेज में नशीली दवाओं के दुरूपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय दिवस पर हुआ आयोजन

'नशा मुक्त समाज' की दिशा में कार्य करने की अपील

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर की प्रधानाचार्या प्रो० डा० रूचिरा सेठी एवं मुख्य चिकित्सा अधीक्षक प्रो० डा० ए०ए० जाफरी के दिशा निर्देश में मानसिक रोग विभाग के विभागाध्यक्ष डा० विनोद वर्मा द्वारा दिनांक 26 जून, 2025 को नशीली दवाओं के दुरूपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय दिवस पर जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि मेडिकल कालेज की प्रधानाचार्या प्रो० डा० रुचिरा सेठी रही। उन्होंने अपने उद्बोधन में बताया कि यह दिन हमें याद दिलाता है कि नशीली दवाओं का सेवन और उनकी तस्करी न केवल व्यक्ति के जीवन को तबाह करती है, बल्कि यह पूरे समाज और राष्ट्र की प्रगति में भी बाधा बनती है। आज जब हमारा देश युवाओं की शक्ति पर गर्व करता है। तब यह अत्यंत आवश्यक है कि हम अपने युवा साथियों को नशे की चपेट में आने से बचाएं। नशा केवल शरीर को ही नहीं बल्कि यह शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, और पारिवारिक रिश्तों पर गहरा असर डालता है। युवा लोगों में नशे की समस्या बढ़ रही है। युवा पीढ़ी नशे को आज के दौर में फैसन के तौर पर देख रहे है। जो उनके जीवन के लिए बहुत बड़ा खतरा है। हमें यह समझना होगा कि किसी भी प्रकार का नशा समाधान नहीं, बल्कि समस्याओं की शुरूआत है। हम सबका कर्तव्य है कि हम नशे के खिलाफ आवाज उठाएं, अपने आस-पास जागरूकता फैलाएं और यदि कोई इस दलदल में फंसा हुआ है, तो उसे सही मार्ग दिखाएं। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक प्रो० डा० ए०ए० जाफरी ने बताया कि

नशे की लत एक रोग है और इसका इलाज संभव है। जरूरत है समय पर पहचान और सहयोग की। हमारे अस्पताल में नशा मुक्ति परामर्श, चिकित्सा सुविधाएं और मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ उपलब्ध हैं। मैं सभी से आग्रह करता हूं कि यदि आप अपने आसपास किसी को इस लत में उलझा हुआ देखें तो उसे शर्मिंदगी के बजाय सहारा दें और इलाज के लिए प्रेरित करें। अतः मेरा आग्रह है कि हम सभी मिलकर एक 'नशा मुक्त समाज' की दिशा में कार्य करें। आइए, हम इस दिवस को केवल एक तिथि तक सीमित न रखें। बल्कि इसे एक आंदोलन के रूप में अपनाएं। आप सभी से आशा करता हूं कि आप स्वयं भी नशे से दूर रहें और दूसरों को भी इसके दुष्परिणामों से अवगत कराएं। मानसिक रोग विभाग के विभागाध्यक्ष डा० विनोद वर्मा ने अवैध ड्रग की तस्करी के बारे में बताया। उन्होंने बताया अवैध तस्करी का गिरोह चलता है जो मुख्यतः युवा लोगो को अपने जाल में फसाता है एक बार जो नशे की चपेट में आ जाता है उसको उस लत से निकाला मुस्किल होता है। आप सभी से अपील करता हूँ कि हम मिलकर एक ऐसी पीढ़ी तैयार करें जो स्वस्थ, जागरूक और जिम्मेदार नागरिक बने एक ऐसा भारत, जो नशा मुक्त हो।मानसिक रोग विभाग के सीरियर रेजिडेंट डा० राहुल सिंह ने नशे के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहाँ लोग तनाव को दूर करने के लिए और जिज्ञासा के चक्कर में आकर नशा करने लगते है। जिससे स्वयं एवं उनका परिवार बर्बाद हो जाता है। इस अवसर पर उप प्रधानाचार्य प्रो० डा० आशीष यादव, चिकित्सा अधीक्षक, विनोद कुमार, डा० सी०बी०एस० कर्नल पटेल, डा० अरविन्द पटेल, डा० हमजा अंसारी, डा० अचल सिंह, डा० सरिता पाण्डेय, डा० ममता, डा० स्वाती, डा० चन्द्र मान, डा० संजीव यादव, डा० बृजेश कुमार, एवं अनुज कुमार, रजनी राजभर, श्वेता आदि कर्मचारी एवं मरीज व उनके तीमारदार उपस्थित रहें।

पिछड़ों, दलितों के मसीहा और आरक्षण के जनक थे छत्रपति शाहूजी महाराज: राकेश मौर्य

पीड़ित व्यापारियों से मिलने पहुंचे विधानसभा में नेता विरोधी दल माता प्रसाद पाण्डेय और विधान परिषद में नेता विपक्ष लाल बिहारी यादव पर हमले की करते हैं निंदा: लालबहादुर यादव

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल की प्रेरणा से समाजवादी पार्टी जौनपुर के तत्वाधान में महान शासक, आरक्षण के जनक, सामाजिक न्याय के प्रतीक, छत्रपति शाहूजी महाराज जी की जयंती सांसद जौनपुर कार्यालय नईगंज में समारोह पूर्वक मनाई गई।

सर्वप्रथम उपस्थित सपाजनों ने छत्रपति शाहूजी महाराज के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर सभी का अभिवादन किया तथा गोष्ठी आयोजित कर उनके द्वारा किए गए ऐतिहासिक कार्यों का वर्णन किया।गोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने कहा कि छत्रपति शाहू जी महाराज मराठा के भोसले राजवंश के राजा और कोल्हापुर की भारतीय रियासतों के महाराजा थे, वो लोकतांत्रिक और सामाजिक सुधारक रहे। उनका जन्म 26 जून 1874 में हुआ था। उनके बचपन का नाम यशवंत राव था। उनके पिता का नाम श्रीमंत जयसिंह राव आबासाहब घाटगे था। छत्रपति शाहू ऐसे व्यक्ति थे जिन्होंने राजा होने के बावजूद दलित और शोषित वर्ग के कष्ट को समझा और उनसे हमेशा निकटता बनाए रखी। शाहू जी महाराज ने दलित वर्ग के बच्चों को मुफ्त शिक्षा प्रदान करने की प्रक्रिया शुरू की थी। उन्होंने गरीब छात्रों के लिए छत्रावास स्थापित किए और बाहरी छात्रों को शरण प्रदान करने के आदेश दिए। ईमानदारी से उनके शासन के दौरान 'बाल विवाह' पर प्रतिबंधित लगाया गया था। उन्होंने पुनर्विवाह को कानूनी मान्यता दी थी। समाज के किसी भी वर्ग से उन्हें किसी तरह का द्वेष नहीं था।शाहू जी महाराज के मन में दलित वर्ग के प्रति गहरा लगाव था। दलितों की दशा में बदलाव लाने के लिए उन्होंने दो ऐसी विशेष प्रथाओं का खात्मा किया। पहला, 1917 में उन्होंने 'बलूतदारी' प्रथा का अंत किया था। इसके तहत किसी अछूत को थोड़ी सी जमीन देकर उससे और उसके परिवार वालों से पूरा गांव मुफ्त सेवाएं लेता था। दूसरा, 1918 में उन्होंने कानून बनाकर राज्य की एक और पुरानी प्रथा 'वतनदारी' का अंत किया। भूमि सुधार करके उन्होंने महारों को भू-स्वामी बनने का हक दिलाया। सन 1902 में शाहू जी महाराज इंग्लैंड गए थे। वहीं से उन्होंने एक आदेश जारी करके कोल्हापुर के अंतर्गत शासन-प्रशासन के 50 प्रतिशत पदों को पिछड़ी जातियों के लिए आरक्षित कर दिया था। उनके इस सामाजिक न्याय को पीडीए समाज सदैव याद रखेगा। गोष्ठी को संबोधित करते हुए पूर्व जिलाध्यक्ष, पूर्व विधायक लालबहादुर यादव ने कहा कि छत्रपति शाहूजी महाराज चाहते थे कि समता समानता और बराबरी लाई जाए उसी क्रम में उन्होंने समान रूप से पिछड़े, दलित, शोषित समाज को रोटी, कपड़ा, मकान और हक अधिकार दिलाने का काम किया। उन्होंने कहा कि कल गोरखपुर मुख्यमंत्री के गृह जिले में पीड़ित व्यापारियों से मिलने गए विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडे एवं विधान परिषद में नेता विरोधी दल लाल बिहारी यादव जी के ऊपर सामंतवादियों द्वारा किए गए तानाशाही पूर्ण हमले की जौनपुर समाजवादी पार्टी निंदा करती हैं। गोष्ठी को हीरालाल विश्वकर्मा, डॉक्टर रामसूरत पटेल, श्रवण जायसवाल, राहुल त्रिपाठी अशोक यादव, दिनेश यादव फौजी, अनवारुल हक गुड्डू, वीरेंद्र यादव, हरिश्चंद्र प्रभाकर आदि ने संबोधित किया। गोष्ठी में वरिष्ठ नेता राजनाथ यादव, गुलाब यादव, डॉक्टर मनोज यादव, राहुल यादव,उमाशंकर चौरसिया, अशोक यादव नायक, आनंद गुप्ता, भानु मौर्य, संतोष गुप्ता, अमित कुमार गुप्ता, दिलीप कुमार गुप्ता, अच्छेलाल गुप्ता, अंकित शुक्ला, लालू यादव, दिलीप कनौजिया अमजद अंसारी शाहिद सैकड़ो सपाजन उपस्थित रहे। गोष्ठी का संचालन जिला महासचिव आरिफ हबीब ने किया।

अंजुमन मजलूमिया की सालाना मीटिंग में शजर हसन सदर जुहैब हसन अफरोज चुने गए सेक्रेटरी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अंजुमन मजलूमिया ख्वाजादोस्त जौनपुर की वार्षिक मीटिंग में सर्वसम्मति से सदर शजर हसन और सेक्रेटरी जुहैब हसन अफरोज को चुना गया। मीटिंग में आगामी वर्ष के लिए समस्त कार्यक्रम की भागदौड़ के लिए सदर एवं सेक्रेटरी ने अपनी कार्यकारणी की घोषणा की, जिसमें नायब सदर मैशर हुसैन,वा सौरभ नजीर को चुना गया। नायब सेक्रेटरी पर अल्ताफ हुसैन (पिंकू राजा) वा अली हसन को चुना गया। कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सैयद मुजम्मिल जैदी वा सैयद आजाद जैदी को दी गई है। वहीं अंजुमन के दस्ता सेक्रेटरी की जिम्मेदारी से सैयद शाकिर जैदी, सैयद अरशद अब्बास टीपू, अजमी हुसैन अज्मू, सैयद फरमान रिजवी,

मोहम्मद रजा शिराजी तालिब जैदी, ताजदार हुसैन तज्जू को चुना गया। वहीं अंजुमन की नौहाख्वानी की जिम्मेदारी शाह अनम हसन, उनके हमनवां फराज मेंहदी, यासिर इमाम, आसिफ रिजवी, परवेज अख़्तर डब्लू, आदिल जैदी काविश, समीर जैदी, रजा जैदी, फैज जैदी, आशु जैदी, शाजर हसन, सैयद वली इत्यादि को जिम्मेदारियों से नवाजा गया। मीटिंग में आगामी आने वाले समस्त धार्मिक प्रोग्राम के साथ साथ अंजुमन के सरपरस्तों ने शिक्षा, स्वास्थ्य, साफ सफाई पर भी समाज में लोगों को जागरूक करने के लिए प्रेरित किया मीडिया प्रभारी की जिम्मेदारी पत्रकार आबिश इमाम सनी सह मीडिया प्रभारी की जिम्मेदारी राहिल खान को सौंपी गई है।

इस मौके पर सरपरस्तान शमशीर हसन, सैय्यद असगर हुसैन, सैय्यद सकलैन जैदी, सलीम जैदी, सैयद आफताब जैदी, हसनैन अख़्तर, जुल्कैरनैन अख़्तर, साहब अख़्तर, मुनीर रिजवी, सैयद अलमदार हुसैन, परवेज हुसैन जैदी एडवोकेट, गुलशन अब्बास, हैदर अली, शाहिद हुसैन जैदी बनारसी, नुशरत हुसैन जैदी नेता, इम्तियाज हुसैन जैदी, डॉ दिलगीर हसन, आमिल जैदी, अमीरूल हसन, जाकी जैदी, हुसैन अली कल्लू, मोहसिन रजा जैदी, एहतेशाम खान बब्बी, डॉ.शरिक इत्यादि मौजूद रहे।

सड़क हादसे में तीन युवक घायल, एक की हालत नाजुक

विशाल सोनी, शहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। तेज रफ़्तार की कहर ने तीन जिंदगियों को जान के जोखिम में डाल दियाजानकारी के अनुसार बुधवार की रात 32 वर्षीय रेहान पुत्र रिजवान निवासी छोटी बारा अपने एक साथी 35 वर्षीय शिवम पुत्र शंकर निवासी जमालपुर आजमगढ़ एक बाइक पर सवार होकर खेतासराय जा रहे थे की रास्ते मे अक्खनसराय के पास विपरीत दिशा से पैदल आ रहे 32 वर्षीय लालूप्रसाद यादव पुत्र सुरेन्द्र यादव निवासी सिधाई थाना शाहगंज से उक्त बाइक सवार भिड़ गए जिसमे लालूप्रसाद दूर छटक गया तभी अचानक एक चार पहिया वाहन लालू प्रसाद को रौंदते हुए आगे निकल गया। और उसकी हालत गम्भीर हो गयी।आनन फानन में स्थानीय लोगों की मदद से उपचार हेतू सामुदायिक स्वास्थ केंद्र लाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद तीनों घायलों को जिला अस्पताल भेज दिया गया। बताया जा रहा है की लालू प्रसाद की हालत गम्भीर बनी हुई है।

मेगा ड्राइव अभियान में 18 लोगों पर मुकदमा, काटे गये 125 कनेक्शन

लालगंज,आजमगढ (उत्तरशक्ति)। बिजली विभाग ने विद्युत वितरण खंड तृतीय-लालगंज के अंतर्गत क्षेत्र में चलाया मेगा ड्राइव अभियान, 18 लोगों पर की एफआईआर एवं बकाए पर काटे 125 कनेक्शन अभियान के दौरान करीब 5.12 लाख की हुई बकाया वसूली और 32.18 लाख बकाए पर करीब 125 घरों की काटी गयी बिजली, 18 उपभोक्ता बिजली चोरी करते पकड़े गये।ट्रांसफॉर्मर को जलने से बचाने के लिए लगाए जा रहे हैं फ्यूज सेट एवं टेललेस यूनिट से पिछले साल से कम हुई ट्रांसफॉर्मर खराब होने की दर एवं विद्युत आपूर्ति में हुआ है सुधार, बिजली विभाग के अभियान से बिजली चोरों में हड़कंप मच गया।प्रबंध निदेशक पूर्वांचल निगम के निर्देशानुसार ज्यादा बिजली चोरी वाले क्षेत्रों को चिन्हित कर बुधवार को विद्युत वितरण खंड तृतीय- लालगंज क्षेत्र में बिजली विभाग ने बृहद मेगा ड्राइव अभियान चलाया। बिजली विभाग के एक्सईएन महेंद्र कुमार के नेतृत्व में कोइलारी, लहुआ, बेला फीडर के मदारपुर, विशंभरपुर सिधौना, जमालपुर, लहुआकला, समेत दर्जनों मुहल्लों में बिजली विभाग की 07 टीमों ने सुबह से ही चेकिंग शुरू कर दी गई। जिससे बिजली चोरों में हड़कंप मचा रहा। 185 घरों की बिजली चेकिंग में लगभग 18 उपभोक्ता बिजली की चोरी करते पकड़े गये। जिनके ऊपर एफआईआर दर्ज की जा रही है। इसके अतिरिक्त लगभग 125 घरों की बिजली बिल बकाया होने पर कनेक्शन काटा गया। जिनके ऊपर लगभग 32.18 लाख का बिजली बिल बकाया था ।चेकिंग

के दौरान करीब रू0 5.12 लाख के बकाये की भी वसूली की गयी।

बिजली विभाग के एक्सईएन महेंद्र कुमार ने बताया कि आज पूरे खण्ड के अधिकारियों, कर्मचारियों की 07 टीमों को चेकिंग में लगाया गया था। चेकिंग में प्रबन्ध निदेशक द्वारा अधिकारियों को भी रेड अभियान का निरीक्षण कर बिजली चोरी एवं बकायेदारों पर कठोर कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया। उन्होंने उपभोक्ताओं से अपील है कि विच्छेदन तिथि के अंदर अपना बकाया बिजली बिल जमा करवाए एवं बिजली चोरी न करे । मीटर रीडर्स को शतप्रतिशत मीटर की फोटो खींचकर ऑटो ओसीआर एवं प्रोब के माध्यम से ही बिल बनाने के लिए निर्देशित किया, रीडिंग के कार्यों में शिथिलता बरतने वाले मीटर रीडर्स को चेतावनी जारी की गई है यदि उनके कार्यों में माह के आखिरी तक सुधार नहीं होता है तो ऐसे मीटर रीडर्स को बर्खास्तगी की कार्यवाही की जाएगी।उन्होंने बताया कि आगे भी अभियान लगातार चलता रहेगा एवं खंड में 1 सप्ताह में चयनित 1 फीडर पर चेकिंग पूर्ण कराकर बिजली चोरी एवं बकायेदारों पर कठोर कार्यवाही की जाएगी। 10 हजार रुपए से अधिक बकायेदारों के विद्युत विच्छेदन कर शिकंजा कसा जाएगा एवं बिजली चोरी कर रहे उपभोक्ताओं के कनेक्शन को काटकर बिजली चोरी का मुकदमा दर्ज कराया जाएगा ।ट्रांसफॉर्मर को जलने से बचाने के लिए फ्यूज सेट एवं टेललेस यूनिट लगाए जा रहे हैं जिससे पिछले साल से ट्रांसफॉर्मर खराब होने की दर कम हुई है एवं विद्युत आपूर्ति में सुधार हुआ है। भीषण गर्मी में बिजली विभाग सतत विद्युत आपूर्ति बनाए रखने में लगा हुआ है। अभियान में अधिशाषी अभियंता समेत एसडीओ, निखिल शेखर सिंह, सत्य कुमार, मनोज कुमार श्रीवास्तव, अंबर यादव जेई, संदीप कुमार, अजीत श्रीवास्तव, महमूद अख्तर, संजय कुमार विजिलेंस टीम एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

सीएलआर फैसिलिटी को ब्रिटिश इंटरनेशनल इन्वेस्टमेंट से 15 मिलियन डॉलर का निवेश मिला

मुंबई। भारत की अग्रणी इंटीग्रेटेड फैसिलिटी मैनेजमेंट सेवा प्रदाता सीएलआर फैसिलिटी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड (सीएलआर) ने ब्रिटिश इंटरनेशनल इन्वेस्टमेंट (बीआईआई) के साथ रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है। बीआईआई, जो कि यूनाइटेड किंगडम की विकास वित्तीय संस्था और प्रभावशाली निवेशक है, ने सीएलआर में 15 मिलियन डॉलर (लगभग 125 करोड़ रुपये) के निवेश का वचन दिया है। यह निवेश सीएलआर की विकास यात्रा के अगले चरण को गति देगा। सीएलआर वर्तमान में 20,000 ब्लू-कॉलर कर्मचारियों को रोजगार देता है और देशभर के कॉरपोरेट ग्राहकों को सफाई, इंजीनियरिंग, यांत्रिक रखरखाव और उत्पादन सहायता जैसी सेवाएं प्रदान करता है। बीआईआई का यह निवेश कंपनी को भारत में अपने परिचालन का विस्तार करने, कम आय वाले तबकों और महिलाओं के लिए बेहतर रोजगार अवसर उपलब्ध कराने और स्थायी व्यावसायिक प्रथाओं को अपनाने में मदद करेगा।

गौरव पाठक और गौतम पाठक, सीएलआर फैसिलिटी सर्विसेज के प्रवर्तक और निदेशक ने कहा, बीआईआई के साथ यह साझेदारी समावेशी और सतत विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह निवेश हमारे कर्मचारियों के लिए और अधिक अवसर बनाने, फैसिलिटी मैनेजमेंट में नवाचार को बढ़ावा देने और नए बाजारों तक पहुंच बनाने में सहायक होगा।ह्व शिल्पा कुमार, भारत में बीआईआई की प्रमुख और प्रबंध निदेशक ने कहा, ह्लभारत में कृषि क्षेत्र को छोड़कर 80% से अधिक श्रमिक ब्लू और ग्रे कॉलर क्षेत्र से आते हैं, जो देश की आर्थिक वृद्धि में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हमें खुशी है कि सीएलआर का विजन भारत सरकार की समावेशी रोजगार पहलों के अनुरूप है। फर्स्ट ब्रिज इनवेस्टमेंट मैनेजर्स प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध साझेदार और सीएलआर के मौजूदा निवेशक के. के. राठी ने कहा, हम सीएलआर की विकास यात्रा में बीआईआई का स्वागत करते हैं। 2018 से कंपनी के पहले निवेशक के रूप में हमें इसकी क्षमता पर हमेशा विश्वास रहा है।

सुनील शेट्टी, केएल राहुल, अहान शेट्टी और अक्षै वर्डे मिलकर लॉन्च कर रहे हैं एक्सेलमोटो

मुंबई। भारत में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी क्रांति अब आकांक्षाओं से भर गई है---और बहुत तेज, साफ और कूल हो गई है। Designer and Automative Entrepreneur अक्षै वर्डे द्वारा स्थापित, एक्सेलमोटो को एक रणनीतिक ऑल-स्टार संस्थापक टीम का समर्थन प्राप्त है जिसमें अभिनेता-उद्यमी-मेंटर सुनील शेट्टी, क्रिकेट सेंसेशन केएल राहुल, और युवा आइकन अहान शेट्टी शामिल हैं---जो विश्वसनीयता, कूलनेस और पारस्परिक पीढ़ियों के प्रभाव का दुर्लभ मिश्रण लेकर आए हैं। एक्सेलमोटो ने जून 28 से 999 ई-बाइक्स के सीमित बैच के लिए अपनी प्री-ऑर्डर विंडो की शुरूआत की घोषणा की है, जिसमें से प्रत्येक "ttps://www.exelmoto.com पर 499 की टोकन राशि पर बुकिंग के लिए उपलब्ध है। ये पारंपरिक इलेक्ट्रिक स्कूटर नहीं हैं---ये ई-बाइक्स हैं, जो पेडल असिस्ट सिस्टम से लैस इलेक्ट्रिक साइकिल की श्रेणी में आती हैं जो राइडर्स को सक्रिय रहने की अनुमति देती हैं और साथ ही उनके कार्बन फुटप्रिंट को काफी कम करती हैं, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी सेगमेंट में प्रति किलोमीटर सबसे कम लागत प्रदान करती हैं। एक्सेलमोटो के बारे में बात करते हुए, सुनील शेट्टी, उद्यमी और मेंटर ने कहा, मैंने अक्षै को वर्षों से मेटल और डिजाइन के साथ जादू करते देखा है। जब उन्होंने भारत के लिए स्वच्छ, स्टाइलिश मोबिलिटी का अपना सपना साझा किया, तो मुझे पता था कि हमें इसका हिस्सा बनना है। पहली बार, मैं अपने बेटों, अहान और केएल राहुल के साथ एक प्रोजेक्ट पर काम कर रहा हूं, और यह सही लगता है कि यह कुछ ऐसा है जो एक स्वच्छ भविष्य पर केंद्रित है। एक्सेलमोटो केवल परिवहन से कहीं अधिक का प्रतिनिधित्व करता है; यह इस बारे में है कि भारत कैसे आगे बढ़ता है। हम मानते हैं कि हमारे पर्यावरण की देखभाल करना सहज, स्टाइलिश और वास्तव में सभी के लिए सुलभ होना चाहिए। यह गर्व से भारत में बना है, भारत के लिए डिजाइन किया गया है, और यह कुछ ऐसा है जिसका हिस्सा होने पर हमें वास्तव में गर्व है। अहान शेट्टी, युवा उपभोक्ताओं को संबोधित करते हुए, ने कहा, ह्लयह मेरी पीढ़ी के लिए है---साहसी, स्मार्ट और ग्रह के प्रति सचेत। हम एक ऐसे ब्रांड का हिस्सा होने पर गर्व करते हैं जो केवल ट्रेंड्स को फॉलो नहीं करता बल्कि उन्हें सेट करता है---यह कैसे दिखता है और यह किसके लिए खड़ा है, दोनों। मैं एक्सेलमोटो चलाता हूं क्योंकि यह हमारे होने को दर्शाता है---अभिनव, निडर और भविष्य-केंद्रित। कंपनी के विजन के बारे में बात करते हुए, अक्षै वर्डे, एक्सेलमोटो के संस्थापक और सीईओ ने कहा, हमने एक्सेलमोटो को आकांक्षा और पहुंच के बीच एक पुल बनने के लिए डिजाइन किया है। यह केवल एक एश नहीं है। यह एक आंदोलन है। हमारा लक्ष्य ग्रीन कम्यूटिंग को आकांक्षापूर्ण, किफायती और गर्व से भारतीय बनाना है। प्रीमियम मोटरसाइकिल डिजाइन और निर्माण में दो दशकों से अधिक के अनुभव के साथ, मैं एक ऐसी ई-बाइक बनाना चाहता था जो मोटरसाइकिल का रोमांच, साइकिल की स्वतंत्रता और मोबाइल डिवाइस की सुविधा प्रदान करे। परिणाम एक पेटेंटेड, प्रिसिजन-बिल्ट उत्पाद है जो देखने में जितना सुंदर है उतना ही चलाने में शक्तिशाली है। भारत के लिए इंजीनियर्ड, भारतीय आइकन्स सुनील, केएल राहुल और अहान द्वारा समर्थित, और शहरों और छोटे शहरों दोनों की सेवा के लिए बनाया गया---एक्सेलमोटो भविष्य कैसे चलता है।

जौनपुर में अलग अलग सड़क दुर्घटना में दो लोग जख्मी

रियाजुल हक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के धमार्पुर बाजार में एक तेज रफ्तार कार ने एक बाइक सवार को टक्कर मार दिया जिससे बाइक सवार अधेड़ गंभीर रूप से घायल हो गया। बक्सा थाना क्षेत्र के अलीगंज निवासी रुपेश अपनी बाइक से जौनपुर- केराकत हाईवे होते हुए मुफ्तीगंज जा रहे थे जैसे ही दोपहर में तीन बजे रूपेश की बाइक थाना क्षेत्र के धमार्पुर बाजार में पहुंची तभी विपरीत दिशा से आ रही एक तेज रफ्तार अज्ञात कार ने टक्कर मार दिया, टक्कर लगते ही बाइक सवार रूपेश (51) सड़क पर गिर गए और गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से इलाज के लिए सीएचसी चोरसंड भिजवाया गया जहां चिकित्सकों ने उन्हें बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। रुपेश के सर में काफी चोट आई है। बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गई है।थानाध्यक्ष गौराबादशाहपुर फूलचंद पांडेय ने बताया कि टक्कर मारने के बाद कार चालक फरार हो गया है। घायल के द्वारा तहरीर देने पर उक्त अज्ञात चालक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया जाएगा।वही एक अन्य घटना में खुटहन के गंभीरन क्षेत्र के इमामपुर गांव निवासी फिरतू उर्फ खुदुर गौतम खुटहन थाने पर चौकीदार के पद पर तैनात है। ड्यूटी से आने के बाद बुधवार की देर शाम वह किसी घरेलू कार्य को लेकर इमामपुर बाजार से गौसपुर की तरफ पैदल जा रहे थे। इसी दौरान किसी अज्ञात बाईक सवार ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दिया। वह वहीं गिरकर छटपटाने लगे। आसपास के लोगों ने उनको जमीन से उठाया और स्थानीय सीएचसी उपचार हेतु ले गए जहां चिकित्सकों ने सिर में अति गम्भीर चोट लगने के कारण नाजुक हालत को देखते हुए जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया। वहां पर उनका उपचार चला। 24 घंटा बीत जाने के बाद भी होश नहीं आया। हालत गंभीर हालत को देखते हुए चिकित्सको ने उन्हें वाराणसी रेफर कर दिया।

बदलापुर बस स्टेशन से बसों का संचालन किया जाए शुरू

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चन्द्र द्वारा नवनिर्मित बदलापुर बस स्टेशन का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने पाया कि बस स्टेशन के लोकार्पण का कार्य पूर्ण हो चुका है इसके पश्चात भी अभी तक बस स्टेशन से बसों का संचालन नही हो रहा है जिसपर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए स्टेशन इंचार्ज को निर्देशित किया कि बस स्टेशन को क्रियाशील करते हुए शीघ्र बसों का संचालन शुरू किया जाय, जिससे यात्रीगण सुगमतापूर्वक यात्रा कर सके। जिलाधिकारी ने कहा कि बदलापुर के इस आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित बस स्टेशन का लोकार्पण हो चुका है किंतु संचालन नहीं किया जा रहा है यह अत्यन्त खेदजनक है, बसों के संचालन के सन्दर्भ में जानकारी लेते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि इसे शीघ्र क्रियाशील किया जाए।अन्यथा संबंधित के विरुद्ध यथोचित कार्रवाई की जाएगी। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी बदलापुर योगिता सिंह, खण्ड विकास अधिकारी धर्मेंद्र प्रसाद द्विवेदी सहित अन्य उपस्थित रहे। इसके पश्चात जिलाधिकारी द्वारा बदलापुर में पीली नदी पर हो रहे खोदाई के कार्य का औचक निरीक्षण किया गया। उन्होंने खोदाई के कार्य की प्रगति के सम्बन्ध में जानकारी लेते हुए वहां मौजूद श्रमिकों, जेसीबी संचालकों में मिष्ठान वितरित करते हुए उनके मनोबल को बढ़ाया तथा उनके कार्यो की सराहना की। उन्होंने कहा कि पीली नदी को जीवन्त करने के इस पुनीत कार्य में आप सभी का प्रयास बेहद सराहनीय है। इस दौरान जिलाधिकारी ने पोकलैण्ड चालकों को अंगवस्त्रम देकर सम्मानित भी किया।

ईंट से लदे ट्रैक्टर से कुचलकर महिला की मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत जौनपुर रेल मार्ग के मुरलीपुर ग्राम रेलवे अंडरपास के समीप गुरुवार को सुबह ईंट से लदे ट्रैक्टर से कुचलकर एक महिला की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। केराकत रेलवे स्टेशन के पश्चिम लगभग 500 मीटर की दूरी पर स्थित मुरलीपुर ग्राम में रेलवे अंडरपास के दक्षिण यादव बस्ती के समीप हुई ट्रैक्टर दुर्घटना में मृत अज्ञात महिला उम्र लगभग 40 से 45 वर्ष बताई जाती है। मृतक महिला कहां की थी यह ज्ञात नहीं हो सका है। घटना के बाद ट्रैक्टर चालक ट्रैक्टर लेकर फरार हो गया। केराकत कोतवाली पुलिस ने सूचना पर घटनास्थल पर पहुंच कर जांचों उपरांत शव को अपने कब्जे में लेकर पीएम हेतु जौनपुर भेज दिया।

खेतासराय पुलिस को मिली बड़ी सफलता, जिला बदर गौ-तस्कर गिरफ्तार

खेतासराय (उत्तरशक्ति)। अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत खेतासराय पुलिस ने जिला बदर घोषित व टॉप-10 हिस्ट्रीशीटर गौ-तस्कर मो. अलीम पुत्र अब्दुल सलाम निवासी रानीमऊ को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी ढढ़वारा क्षेत्र के ग्राम लेदरही से मुखबिर खास की सूचना पर की गई। आरोपी को एक माह के लिए जिला बदर घोषित किया गया था।बावजूद इसके वह जनपद में छिपा हुआ था। अलीम पर गोवध, पशु क्रूरता, आर्म्स एक्ट, एनडीपीएस एक्ट, सहित कई अन्य धाराओं में कुल 13 मुकदमे दर्ज हैं।गिरफ्तारी टीम में थानाध्यक्ष रामाश्रय राय, उप निरीक्षक मो. तारिक अंसारी सुभम त्यागी,संदीप सिंह,देवी प्रसाद चौहान, व अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे।पुलिस द्वारा आरोपी के विरुद्ध आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

जौनपुर में अलग अलग सड़क दुर्घटना में दो लोग जख्मी

रियाजुल हक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के धमार्पुर बाजार में एक तेज रफ्तार कार ने एक बाइक सवार को टक्कर मार दिया जिससे बाइक सवार अधेड़ गंभीर रूप से घायल हो गया। बक्सा थाना क्षेत्र के अलीगंज निवासी रुपेश अपनी बाइक से जौनपुर- केराकत हाईवे होते हुए मुफ्तीगंज जा रहे थे जैसे ही दोपहर में तीन बजे रूपेश की बाइक थाना क्षेत्र के धमार्पुर बाजार में पहुंची तभी विपरीत दिशा से आ रही एक तेज रफ्तार अज्ञात कार ने टक्कर मार दिया, टक्कर लगते ही बाइक सवार रूपेश (51) सड़क पर गिर गए और गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से इलाज के लिए सीएचसी चोरसंड भिजवाया गया जहां चिकित्सकों ने उन्हें बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। रुपेश के सर में काफी चोट आई है। बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गई है।थानाध्यक्ष गौराबादशाहपुर फूलचंद पांडेय ने बताया कि टक्कर मारने के बाद कार चालक फरार हो गया है। घायल के द्वारा तहरीर देने पर उक्त अज्ञात चालक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया जाएगा।वही एक अन्य घटना में खुटहन के गंभीरन क्षेत्र के इमामपुर गांव निवासी फिरतू उर्फ खुदुर गौतम खुटहन थाने पर चौकीदार के पद पर तैनात है। ड्यूटी से आने के बाद बुधवार की देर शाम वह किसी घरेलू कार्य को लेकर इमामपुर बाजार से गौसपुर की तरफ पैदल जा रहे थे। इसी दौरान किसी अज्ञात बाईक सवार ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दिया। वह वहीं गिरकर छटपटाने लगे। आसपास के लोगों ने उनको जमीन से उठाया और स्थानीय सीएचसी उपचार हेतु ले गए जहां चिकित्सकों ने सिर में अति गम्भीर चोट लगने के कारण नाजुक हालत को देखते हुए जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया। वहां पर उनका उपचार चला। 24 घंटा बीत जाने के बाद भी होश नहीं आया। हालत गंभीर हालत को देखते हुए चिकित्सको ने उन्हें वाराणसी रेफर कर दिया।

पति को पनीर लेने भेजकर चचेरे भाई के साथ फरार विवाहिता को पुलिस ने किया गिरफ्तार

मिजार्पुर (उत्तरशक्ति)। राजगढ़ में डेढ़ महीने पहले पति को पनीर लेने के लिए बाजार भेजकर चचेरे भाई के साथ भागी विवाहिता को पुलिस ने मंगलवार को वाराणसी से पकड़ लिया। पूछताछ में पता चला कि दोनों ने कोर्ट मैरिज कर ली है।राजगढ़ थाना क्षेत्र के एक गांव के युवक की पहली पत्नी का निधन हो गया था। फिर 14 साल पहले उसने सोनभद्र की एक युवती से दूसरी शादी की थी।

दूसरी पत्नी का चचेरा भाई अक्सर उसके घर आता था। इसी दौरान दोनों में प्रेम हो गया। करीब डेढ़ महीने पहले विवाहिता अपने पति को पनीर लेने के लिए बाजार भेजकर चचेरी भाई के साथ भाग गयी थी।पति की तहरीर पर राजगढ़ पुलिस मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश कर रही थी। मंगलवार को पुलिस ने वाराणसी के गोदौलिया से विवाहिता और उसके प्रेमी को पकड़ लिया। इसके बाद दोनों को राजगढ़ थाने ले आई।

विवाहिता ने पुलिस को बताया कि दोनों ने कोर्ट मैरिज कर ली है। इस संबंध में उसने साक्ष्य भी सामने रखा। थानाध्यक्ष महेंद्र सिंह पटेल ने बताया कि विवाहिता और उसके चचेरे भाई को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। महिला के परिजनों को बुलाया गया है। चुनार क्षेत्र के एक गांव से दो दिन पहले घर से भागे प्रेमी युवक का मंगलवार को चुनार कोतवाली स्थित राधा कृष्ण मंदिर में शादी कराई गई।इस मौके पर पुलिस के साथ दोनों के परिजन भी मौजूद रहे। युवती के पिता ने 23 जून को बेटी के लापता होने की तहरीर दी थी। पुलिस की जांच में पता चला की युवती वाराणसी निवासी अपने प्रेमी के साथ गई है। मंगलवार को चुनार पुलिस दोनों को पकड़कर थाने ले आई और उनके परिवार के लोगों को बुलाया। थाने में काफी देर तक पंचायत हुई। प्रेमी-प्रेमिका की जिद के आगे दोनों के परिवार वाले उनकी शादी पर सहमत हो गए। इसके बाद कोतवाली परिसर स्थित मंदिर में दोनों की शादी कराई गई। पुजारी अनिल मिश्रा ने विधि विधान से विवाह की प्रक्रिया पूरी कराई। कोतवाल रविंद्र भूषण मौर्य ने बताया कि परिजनों की रजामंदी से कोतवाली परिसर स्थित मंदिर में प्रेमी युगल का विवाह कराया गया।

दो सगी बहनों के हत्यारोपी पति-पत्नी को आजीवन कारावास

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अपर सत्र न्यायाधीश रंजीत कुमार की अदालत ने 4 वर्ष पूर्व भूमि विवाद में पड़ोसी की दो बहनों को फावड़ा व बांका से काटकर मार डालने के आरोपी पति-पत्नी को आजीवन कारावास 25-25 हजार रुपए अर्थदंड से दंडित किया। अभियोजन कथानक के अनुसार सिकरारा थाना क्षेत्र की कुकुरिहाँवा गांव निवासी जतिन पांडेय ने स्थानीय थाने में अभियोग पंजीकृत करवाया कि दिनांक 18 नवंबर 2021 को 11:30 बजे दिन में उसके पट्टीदार आशीष पांडेय व उनकी पत्नी ममता पांडेय पैतृक जमीन पर बिना बटवारा कराए ही शौचालय का निर्माण करवा रहे थे, जिसका वादी व उसकी बहनें पूर्णिमा तथा अंतिमा ने विरोध किया। जिससे उत्तेजित होकर एकाएक आशीष पांडेय ने बांका से और ममता पांडेय ने फावड़ा से हमला करके उसकी दोनों बहनों को बुरी तरह काट डाला। जिससे उनकी घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई। पुलिस ने विवेचना करके आरोप पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया। शासकीय अधिवक्ता अरुण कुमार व प्रदीप कुमार के द्वारा परीक्षित कराए गए गवाहों के बयान एवं पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों के परिशीलन के पश्चात अदालत ने दोनों सगी बहनों के हत्यारोपी पति-पत्नी आशीष पांडेय व ममता पांडेय को भादंवि की धारा 302 के अंतर्गत आजीवन कारावास व 25-25 हजार रुपए अर्थदंड से दंडित किया।

पहले पौधारोपण बाद में अपनों के संग काटा केक और मनाया सादगी से जन्मदिन

चिराना। प्रगतिशील कुमावत समिति के संरक्षक व महावीर इंटरनेशनल वीर बहुजन सेवा केंद्र के चेयरमैन वीर डॉ.राजेंद्र कुमावत ने अपना जन्म दिन 3 नंबर चुंगी स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर में बुधवार को कार्यरत कर्मियों के साथ पौधारोपण कर मनाया। चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ.राजेंद्र कुमावत ने अपनी कर्मस्थली पर सुबह जाकर जन्मदिन के मौके पर हर्बल गार्डन में पौधारोपण कर गार्डन में हरितमा की चादर को बढ़ाया,पौधे लगाकर हरा भरा लुक दिया। बाद में उपस्थित सभी सदस्यों को जन्म दिन की मिनी पार्टी दी। जन्म दिन सेलिब्रेट करते हुए शाम को 8 बजे होटल श्री श्याम रेस्टोरेंट में अपने मित्रो व परिवार जनों के बीच केक काटकर सभी का मुंह मीठा करवाया और सभी ने डिनर कर जन्म दिन की खुशी जाहिर की। इस मौके पर ही 1100 रुपए गौ ग्रास हेतु गणेश मंदिर लोहार्गल की गोशाला में अनुदान हेतु। गोल्याना में उदयपुर वाटी रोड़ पर स्थित श्री श्याम रेस्टोरेंट एक होटल का रूप लिए हुए हैं तथा इस होटल में सुविधा युक्त कमरे व बड़े समारोह के लिए हॉल भी उपलब्ध है,ये जब शुरू हुई उस दिन एक सगाई समारोह हुआ था और उसके बाद 25 जून को इसी होटल में डॉ.कुमावत ने आलीशान प्रोग्राम की चाहत में अपनी बर्थ डे पार्टी के लिए इसे चुना। अपने मित्र व परिवार जनों के साथ जन्मदिन की पार्टी यहां मनाई। इस दौरान अमोलक पारमुवाल, अनिल बारी, सूबेदार वीरेंद्र सिंह शेखावत, विकास पत्रकार, डॉक्टर महेंद्र माली,राकेश कुमार,नेमीचंद मिस्त्री, मनीष कुमावत, संतरा, स्नेहा, सुमन,राजबाला, ममता,उषा देवी,लक्षिता,गोलू सहित घर परिवार के सदस्य व मित्र गण मौजूद रहे। कार्यक्रम के आयोजक रहे चेतन कुमावत ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया।

जौनपुर में भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई का विरोध, खतौनी कार्यालय से दो लोगों की गिरफ्तारी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले में भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए डीएम दिनेश चंद ने कड़ी कार्रवाई की है। बुधवार को एक पीआरडी जवान ने जिला अधिकारी को शिकायत की। उसने बताया कि खतौनी बनाने के लिए कार्यालय में बैठे लोग अतिरिक्त पैसे की मांग कर रहे हैं। डीएम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए खतौनी कार्यालय से दो व्यक्तियों को हिरासत में लिया। उन्हें धारा 151 के तहत जेल भेज दिया गया। इस कार्रवाई के विरोध में गुरुवार को अधिवक्ताओं ने कलेक्ट्रेट परिसर में धरना-प्रदर्शन किया। अधिवक्ताओं का कहना है कि तहसील में अन्य स्थानों पर भी इस तरह की गतिविधियां हो रही हैं। वे इस मामले में जिला अधिकारी से वार्ता करने आए थे। डीएम दिनेश सिंह ने अधिवक्ताओं को आश्वासन दिया कि उनका बार से तालमेल बना रहेगा। डीएम ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत काम किया जा रहा है। जिले में जहां भी भ्रष्टाचार की शिकायत मिलेगी। वहां कार्रवाई की जाएगी। इस मामले में अधिवक्ताओं का पूरा सहयोग मिला है।

जरूरतमंदों की मदद के लिए आगे आई टाई केयर संस्था, स्थापित किया अनाज बैंक

13 अक्टूबर 2015 को काशी में विश्व के पहले अनाज बैंक की स्थापना की गई थी

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के विभिन्न गावों में अनाज बैंक की स्थापना की है ।टाई केयर संस्था का उद्देश्य। क्षेत्र के विभिन्न गावों में अनाज बैंक की स्थापना की है, जहां रुपये की जगह अनाज जमा और निकाला जाता है। इस बैंक का उद्देश्य गरीब और वंचित लोगों को खाद्यान्न उपलब्ध कराना है। 13 अक्टूबर 2015 को काशी में विश्व के पहले अनाज बैंक की स्थापना की गई थीअनाज बैंक में जमा और निकासी के लिए खाते खोले जाते हैं, जहां गरीब, विधवाओं, बुजुर्गों और जरूरतमंदों को हर महीने मुफ्त अनाज दिया जाता है। टाई केयर संस्था के अनुसार, यह बैंक भूखे पीड़ितों की मदद के लिए एक संगठित वैज्ञानिक मॉडल है। संस्था द्वारा तभी कुछ लिए एवं वंचित समुदाय को बेकरी और मजदूरी मजबूरी में ना करना पड़े और यह लोग भी सम्मान की जिंदगी जी सके इसलिए सबसे पहले संघा गृह भ्रमण के दौरान ऐसा संस्था को एहसास हुआ कि मुसहर और दलित समुदाय को मजबूरी में मजदूरी ही नहीं बल्कि ग्राम सभा और दोमानपुर एवं ग्राम सभा गोला गौर में सम्मान को बढ़ाने के उद्देश्य यह कार्यक्रम आयोजित किया गया जिससे कोई भी पीड़ित गरीब अपमान न सहन कर सके और दो वक्त की सम्मानजनक रोटी खा सके इस अवसर पर रुचि कुमारी कुसुम माया सीता पिंकी मीरा मुनि सावित्री कंचन भारती आदि लोग उपस्थित रहे।

वाराणसी के कोइराजपुर में युवक नें पेड़ से लटककर की आत्महत्या

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के बड़ागांव थाना क्षेत्र के हरहुआ पुलिस चौकी अंतर्गत कोइराजपुर में रिंग रोड के किनारे एक युवक ने शीशम के पेड़ से लटककर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लिया और जांच शुरू कर दी है। मृतक की अभी तक शिनाख्त नहीं हो पाई है, जिसके कारण पुलिस स्थानीय लोगों से जानकारी जुटाने में जुटी हुई है। प्रारंभिक जांच में घटना की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है, लेकिन पुलिस सभी पहलुओं पर गहनता से जांच कर रही है। पुलिस ने बताया कि घटनास्थल पर कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है, जिससे मामले में रहस्य और गहरा गया है। आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है ताकि मृतक की पहचान और घटना के कारणों का पता चल सके।इस बीच, पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और मामले की आगे की कार्रवाई जारी है।

एडवांस्ड टेक्नोलॉजी एजुकेशन के लिए के लिए न्यूटन स्कूल ऑफ टेक्नोलॉजीने नए कैंपस लॉन्च किया

मुंबई। अपने छात्रों की शानदार सफलता को देखते हुए न्यूटन स्कूल ऑफ टेक्नोलॉजी (एनएसटी) ने बेंगलुरु में एडवांस्ड टेक्नोलॉजी एजुकेशन के लिए अपने नए कैंपस की लॉन्चिंग का एलान किया है। न्यूटन स्कूल ऑफ टेक्नोलॉजी के 93 प्रतिशत सेकेंड-ईयर अंडरग्रेजुएट छात्रों को रेजरपे, सर्वम एआई और जूमकार जैसे बड़ी टेक फर्म और डीआरडीओ जैसे रिसर्च ऑर्गनाइजेशन में इंटर्नशिप मिली है। कुछ छात्रों ने अपना दूसरा साल पूरा होते-होते दो इंटर्नशिप कर ली हैं, जो भारत के अंडरग्रेजुएट इकोसिस्टम में एक बड़ी उपलब्धि है। साथ ही यह एनएसटी के हैंड्स-ऑन, इंडस्ट्री फर्स्ट लर्निंग मॉडल का प्रमाण भी है। भारत के टॉप टेक एवं स्टार्टअप हब इलेक्ट्रॉनिक सिटी में स्थित नए कैंपस को व्यावहारिक एवं जॉब-रेडी टेक एजुकेशन की बढ़ती जरूरत को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। यहां 2,500 छात्र पढ़ सकेंगे, साथ ही 1,000 छात्रों के रहने की व्यवस्था होगी। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, रोबोटिक्स एवं टेक एंटरप्रेन्योरशिप में स्पेशलाइजेशन को ध्यान में रखकर तैयार एनएसटी के एकेडमिक मॉडल में क्लासरूम लर्निंग को रियल-वर्ल्ड इंडस्ट्री एक्सपोजर के साथ मिलाया जाता है। इससे सुनिश्चित होता है कि यहां ग्रेजुएट होने वाले हर छात्र के पास व्यावहारिक कौशल, मजबूत पोर्टफोलियो और जॉब-रेडी एक्सपीरियंस हो। न्यूटन स्कूल ऑफ टेक्नोलॉजी के सह-संस्थापक सिद्धार्थ माहेश्वरी ने कहा, न्यूटन स्कूल में हम टेक इंडस्ट्री को क्लासरूम तक ला रहे हैं, जिससे पढ़ाई बहुत प्रैक्टिकल, करेंट एवं प्रभावी बने। नए कैंपस को एक कोलैबोरेटिव स्पेस के रूप में डिजाइन किया गया है, जहां छात्र केवल थ्योरी नहीं पढ़ते हैं, बल्कि वास्तविक दुनिया की चुनौतियों का समाधान निकालते हैं।

कांडों के निष्पादन में न हो अनदेखी एसडीपीओ ने दिया निर्देश

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला के अंतर्गत महाराजगंज स्थानीय अनुमंडल के एसडीपीओ राकेश रंजन ने वृहस्पतिवार को अपने कार्यालय कक्ष में थाना प्रभारी के साथ अपराध कांडो की समीक्षा के दौरान बैठक में निर्देश दिया। इस दौरान एसडीपीओ ने थाना के सभी फाइलों को घंटों तक खंगाला तथा कांडों के निष्पादन में तेजी लाने का निर्देश दिया। थाने के महत्वपूर्ण अभिलेखों का अवलोकन किया गया। लंबित कांडों की समीक्षा की गयी। लंबित कांडों का त्वरित निष्पादन के लिए थानाध्यक्ष को निर्देशित किया गया। शराब तस्करी व क्राइम कंट्रोल के साथ ही जमीन विवाद के मामले पर भी विशेष ध्यान देने का दिशा निर्देश दिया। फरारी, वारंटी तथा कांडों में वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी तथा अपराध नियंत्रण एवं विधि व्यवस्था संधारण हेतु गश्ती एवं डायल 112 पर विशेष ध्यान देने के लिए थानाध्यक्ष को निर्देशित किया। इसके अलावा सीडीपीओ ने कई बिंदुओं पर दिशा निर्देश देते हुए कार्यों का समय पर निष्पादन करने को कहा। थानाध्यक्ष रिकेश कुमार, बासुदेवा थानाध्यक्ष मधुबाला भारती आदि थे। मौके पर महाराजगंज थानाध्यक्ष संजीत कुमार, दारौंदा थानाध्यक्ष आदि उपस्थित थे।

प्रखंड कर्मियों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर काला बिल्ला लगाकर किया हड़ताल

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला के अंतर्गत महाराजगंज प्रखंड के कर्मियों ने 10 सूत्री मांगों को लेकर गुरुवार को काला बिल्ला लगाकर काम किया। कर्मी विपुल कुमार सिंह ने बताया कि वे लोग अपनी मांगों के समर्थन में यह कदम उठा रहे है। और आगे भी आंदोलन जारी रखेंगे। उन्होंने कहा हमारी मांगों में लिपिक एंव अन्य कर्मियों को दुर्घटना बीमा 50 लाख रुपए का प्रावधान किया जाय,पूर्व की भांति एंव केन्द्र सरकार के अनुरूप लिपिकों एंव अन्य कमीर्यों को तर्दथ बोनस भुगतान किया जाय,कार्य स्थलों पर सभी कमीर्यों के लिए निःशुल्क आवास का प्रबंध किया जाय। इसके अलावा कई मांगे हैं। कमीर्यों का कहना है कि उनकी मांगों को सरकार को गंभीरता से विचार करना चाहिए और जल्द से जल्द उसका समाधान निकालना चाहिए। काला बिल्ला लगाने वालों में प्रधान लिपिक रवि प्रकाश, लिपिक विपुल कुमार सिंह,हरेन्द्र कुमार कुमार,निधी कुमारी,रंजन कुमार,नाजीर अरविंद कुमार सहित अंचल प्रखंड के सभी कर्मी शामिल थे।

मनपा कर्मचारियों ने नशामुक्ति अभियान चलाने की ली प्रतिज्ञा

मुंबई । बृहन्मुंबई महानगरपालिका पालिका जी-दक्षिण विभाग के स्वास्थ्य चिकित्सा अधिकारी डॉ विरेन्द्र मोहिते साहेब के मार्गदर्शन में आर सी एच -2 के सहायक चिकित्सा अधिकारी डॉ प्रज्योत चौहान ने नशामुक्ति हेतु सभी कर्मचारियों के साथ गुरुवार दिनांक 26 जून 2025 को स्वास्थ्य केंद्र परिसर में सपथ ग्रहण किया।प्रतिज्ञा लेते हुए सभी ने एक स्वर में कहा -- हमें एहसास है कि हमारे देश में विशेष रूप से युवाओं के बीच नशीली दवाओं का दुरुपयोग बढ़ता जा रहा है जो चिंता का विषय है।हम सपथ लेते हैं कि ?हम नशीली दवाओं के दुरुपयोग की रोकथाम में सहयोग करेंगे।हम यह वचन देते हैं कि किसी भी प्रयोजन के लिए किसी भी प्रकार से हानिकारक अथवा अवैध पदार्थों का सेवन नहीं करेंगे।